दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। मंगलवार 26 अगस्त-2025 ● वर्ष : 10 अंक : 247 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

सड़क हादसों में पुलिसकर्मियों की जान जाने के बाद एक्शन में आए पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड

सड़कों के बीच चलने वाले चेकिंग अभियान पर लगाया प्रतिबंध

रात के वक्त जब पुलिस कमिश्नर ने पीआरबी में की चेकिंग

करंट क्राइम : रविवार की रात पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड कौशांबी इलाके और थानाक्षेत्र में निरीक्षण पर थे। इस दौरान उन्होंने पीआरबी के प्रत्येक पुलिस कर्मियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों की ड्यूटी, रिस्पांस टाइम और कार्य प्रणाली को जाना। साथ ही पुलिस कर्मियों को सतर्कता व मुस्तैदी से ड्यूटी करने के साथ ही जनता की कॉल पर ठीक रिस्पांस और सहायता त्वरित किए जाने का निर्देश दिया है। इस दौरान पुलिस कमिश्नर द्वारा पीआरबी वाहनों में तैनात पुलिस कर्मियों का परिचय लेने के साथ ही उनके द्वारा प्रतिदिन कितनी ड्यूटी अटेंड की जा रही हैं, इस बारी में भी जानकारी ली गई है।

पुलिसकर्मियों की वर्दी रहे अप-टू-डेट, संवाद रखें मधुर

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद जे रविंदर गौड कौशांबी थानाक्षेत्र में भ्रमण एवं निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों को अच्छी एवं अनुशासित वर्दी पहनने का निर्देश दिया है। तो अपना स्वास्थ्य का ध्यान रखने के साथ ही जनता के साथ मधुर संवाद कायम करने का निर्देश दिया। वहीं थाना प्रभारी कौशांबी को भी सिटीजन पुलिसिंग और थाने में आने वाले आगंतुकों और शिकायतकर्ताओं के साथ बेहतर वातार्लाप करने को कहा गया है।

गाजियाबाद ,करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते 20 दिनों के दौरान तीन पुलिस कर्मियों की जान जाने के मामले को लेकर पुलिस कमिश्नर ने खुद गंभीरता से लिया है। रविवार की रात वह कौशांबी थानाक्षेत्र और वेव सिटी कट इलाके में पुलिसकर्मियों द्वारा रात्रि ड्यूटी स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे। तो सोमवार को जूम मीटिंग के दौरान भी उन्होंने महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए हैं। जिसमें पुलिसकर्मियों को सड़क के बीचोंबीच चेकिंग नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पुलिस कमिश्नर रे रविंदर गौड ने कहा है कि पुलिस बल जहां पर भी चेकिंग अभियान या कोई वाहन खड़ा कर रहा है, वहां बैरियर अवश्य लगाया जाएं। साथ ही बैरिकेडिंग भी रहना आवश्यक हैं ताकि वह सुरक्षा कवच का काम करें।

कमिश्नरेट में शुरू होने वाला है बिना हेलमेट, सीट बेल्ट और ट्रिपलिंग करने वालों के खिलाफ बंपर अभियान

रॉन्ग साइड वालों से लेकर नियम तोड़ने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

इसी सप्ताह से प्रभावी रूप से कमिश्नरेट के तीनों जोन में चलेगा अभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन में जल्द ही सिविल पुलिस और ट्रैफिक पुलिस नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। बिना हेलमेट नजर आने वाले वाहनों के चालान कटेंगे। तो वहीं आर्टिफिशियल नंबर प्लेट या विदाउट नंबर प्लेट वाहनों को भी छोड़ा नहीं जाएगा। इसके साथ ही तीन सवारी बैठाने वाले दो पहिया वाहन चालकों पर चालान के साथ वाहनों का सीज भी लिया जाएगा। तो वहीं सीट बेल्ट लगाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वहीं सभी डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों को इस अभियान में प्रमुखता के साथ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। दरअसल सोमवार को पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड द्वारा जूम मीटिंग के अंतर्गत यह है निर्देश जारी किए गए हैं।

रॉन्ग साइड आने वालों पर तत्काल होगा एक्शन, किए जांएगे टाइट

करंट क्राइम : गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में बढ़ते सड़क हादसों और जान जान के मामलों को लेकर पुलिस कमिश्नर ने भी गंभीरता दिखाई है। उन्होंने जूम मीटिंग में पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ट्रिपलिंग करने वाले और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों को किसी भी सूरत में नहीं बक्शा जाए। ऐसे लोगों के हर हाल में चालान काटे जाएं। साथ ही बार-बार नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस और वाहनों के रजिस्ट्रेशन भी कैंसिल करने का काम किया जाए।

पुलिसकर्मियों को किया अलर्ट वरना कटेगा चालान

करंट क्राइम : जूम मीटिंग के दौरान पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने पुलिस के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि खाकी वर्दी धारी पुलिसकर्मी हर हाल में हेलमेट पहने, ट्रिपलिंग ना करें और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें। अब दोबारा से पुलिस लाइन, पुलिस ऑफिस और थानों के आसपास भी अभियान चलाया जाएगा और नियम तोड़ने वाले पुलिसकर्मियों पर किसी प्रकार की नर्मी नहीं की जाएगी।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की

कहा- भारत का जोश स्पेस जर्नी को बढ़ाएगा आगे

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर ग्रुप कैप्टन शुक्ला का परिवार भी उनके साथ मौजूद था। मिशन के सफल संचालन और अंतरिक्ष से सुरक्षित वापसी के बाद यह मुलाकात विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान शुभांशु शुक्ला का स्वागत करते हुए कहा कि यह जानकर हर्ष हुआ कि वे अपनी सफल अंतरिक्ष यात्रा के बाद लखनऊ लौट आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश को इस ऐतिहासिक मिशन से प्राप्त अनुभवों से अवश्य लाभ मिलेगा।

भारत की स्पेस जर्नी को नई ऊंचाइयां : शुभांशु शुक्ला ने कहा कि जिस उत्साह और जोश से लोगों ने मेरा स्वागत किया, उससे मैं बेहद आभारी और भावुक महसूस कर रहा हूं। ऐसा लग रहा है मानो मैं अपने घर लौट आया हूं।

यह अनुभव बेहद खास रहा। यहां आकर लोगों से जो प्यार और समर्थन मिला है, उसने मुझे गहराई से प्रभावित किया है। मुझे इस बात पर गर्व है कि मेरे एक मिशन ने इतना उत्साह क्रिएट हो पाया है। यह प्रेरणा देता है कि हमने जो गति और जोश शुरू किया है, वह भारत की स्पेस जर्नी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पहलवान राखी और लोनी रेप पीड़िता के परिवार से आज मिलेगी महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल

गाजियाबाद का करेंगी दौरा, पुलिस-प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा हासिल करेंगी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मंगलवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल गाजियाबाद के दौरे पर रहेंगी। वह यहां जिला मुख्यालय के बाहर विभिन्न मांगों को लेकर धरना दे रहीं राखी पहलवान पत्नी भुवनेश्वर कुमार से धरना स्थल पर जाकर मुलाकात करेंगी।

साथ ही इस पूरे मामले में पुलिस-प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा हासिल करेंगी। इसके साथ ही लोनी क्षेत्र में गैंगरेप के बाद आत्महत्या करने वाली युवती के परिवार से मुलाकात करेंगी। वह इस संबंध में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण लेंगी। साथ ही पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगी। जिला सूचना अधिकारी गाजियाबाद वाईपी सिंह ने बताया है कि डॉ. हिमानी अग्रवाल का मंगलवार को गाजियाबाद में कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिसमें वह दो प्रमुख महिलाओं के मामले को लेकर यहां आ रही हैं और मुलाकात करेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी लोकसभा सांसद अतुल गर्ग को एडवांस में जन्मदिन की बधाई

भगवा कमांडर डाल देंगे सुबह साढ़े नौ बजे डेरा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शहर विधायक वाली विरासत एक तरह से सांसद अतुल गर्ग ने भगवा कमांडर के नाम से प्रसिद्ध संजीव शर्मा को सौंपी है। संजीव शर्मा से पहले अतुल गर्ग इसी सीट से विधायक रहे हैं और सांसद और विधायक की ट्यूनिंग सियासी गलियारों में मजबूत बताई जाती है। ये अतुल गर्ग हैं जिन्होंने विधायक रहते हुए महानगर अध्यक्ष के रूप में संजीव शर्मा को उनके जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें अब तक का सबसे लोकप्रिय अध्यक्ष बताया था। आज लोकसभा सांसद अतुल गर्ग का जन्मदिन है और आज बारी विधायक के रूप में संजीव शर्मा की है। बताया जाता है कि संजीव शर्मा ने भी जन्मदिन की कमान संभालने के लिये कमांडर के रूप में पूरी तैयारी कर ली है। वो अपने प्रिय सांसद अतुल गर्ग को जन्मदिन की बधाई देंगे और यहां वो पूरे समय दिखाई देंगे। सूत्र बताते हैं कि भगवा कमांडर आज कविनगर स्थिति सांसद आवास पर सुबह साढ़े नौ बजे ही डेरा डाल देंगे।

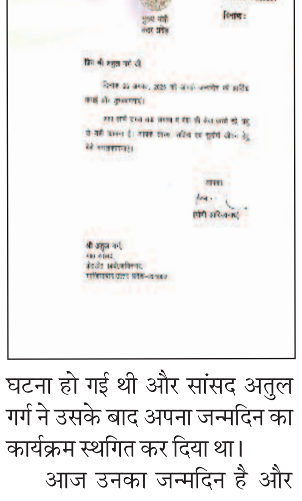

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग की राजनीतिक जीवनशैली ऐसी है कि वो हमेशा सादगी और सरलता से अपने सभी काम करते हैं। अनावश्यक दिखावा उनके व्यक्तित्व में नहीं है और मेहमानवाजी उनके व्यक्तित्व का हिस्सा है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल तब दिखाई दी कि जब दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उनके फार्म हाउस पर आईं थी। अतुल गर्ग लोकसभा सांसद हैं, एक प्रतिष्ठत शिक्षाविद हैं और उनके पुत्र सफल कारोबारी हैं, लिहाजा इंतजाम करने के लिये उन्हें कोई विशेष भागदौड़ नहीं करनी थी, लेकिन सूत्र बताते हैं कि सहजता, सादगी और सरलता यहां सबने देखी। मेहमानों को खाना परोसने के लिये स्वयं अतुल गर्ग के परिवार के सदस्य मौजूद थे। मेहमानों के लिये भोजन घर पर ही बनाया गया था और बिना किसी तामझाम के ये इंतजाम था। विगत वर्ष उनका जन्मदिन नहीं मनाया गया था और विगत वर्ष कवि में ही रहने वाले एक भाजपा नेता के यहां हृदय विदारक घटना हो गई थी और सांसद अतुल गर्ग ने उसके बाद अपना जन्मदिन का कार्यक्रम स्थगित कर दिया था।

आज उनका जन्मदिन है और अधिकारिक रूप से अतुल गर्ग ने कोई कार्यक्रम जारी नहीं किया है, लेकिन उनके समर्थकों ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन का ऐलान करते हुए बता दिया है कि आज सांसद अतुल गर्ग अपने कविनगर स्थित आवास पर रहेंगे। अब इस सूचना के साथ ये तय है कि अगर अतुल गर्ग अपने आवास पर हैं और उनका जन्मदिन भी नहीं है तो भी खानपान की व्यवस्था रहती है और जन्मदिन है तो फिर बाकी का इंतजाम उनकी टीम संभालेगी। सबसे खास बात ये है कि सांसद अतुल गर्ग को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके जन्मदिन पर पत्र लिखकर एडवांस में बधाई दी। ये बधाई ही बता रही है कि जन्मदिन खास है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अतुल गर्ग को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा है कि आप लंबे समय तक समाज और देश की सेवा करते रहें, प्रभु से यही कामना है। आपके स्वस्थ-सक्रिय और सुदीर्घ जीवन हेतु मेरी मंगल कामनाएं हैं। मुख्यमंत्री का लेटर आ चुका है और समर्थकों में जन्मदिन को लेकर जोश है। वैसे भी गाजियाबाद की राजनीति में जनप्रतिनिधियों ने अब जन्मदिन मनाने की परंपरा शुरू की है तो यहां सबकी नजर इस बात पर रहेगी कि सांसद अतुल गर्ग इसे किस लेवल पर ले जाते हैं। जन्मदिन की लोकेशन उनका आवास रहेगा और बताया जाता है कि इस बार जन्मदिन कुछ खास रहेगा।

ड्यूटी के दौरान शहीद हुए ट्रैफिक पुलिस कर्मी को कांग्रेस युवा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिला युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को नेशनल हाईवे पर रविवार को ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में शहीद हुए ट्रैफिक पुलिस कर्मी विपिन को श्रद्धांजलि दी। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आसिफ सैफी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने शहीद स्थल पर मोमबत्ती जलाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आसिफ सैफी ने कहा कि विपिन जी जैसे कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी समाज के लिए प्रेरणा हैं। आसिफ सैफी ने सरकार से मांग की कि शहीद हुए ट्रैफिक पुलिस कर्मी के परिजनों को समुचित आर्थिक सहायता एवं सम्मानजनक सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सके। इस मौके पर प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस इमरान मलिक, जिला उपाध्यक्ष उज्जवल गर्ग, मोईन, साहिल ठाकुर, समीर, राहुल, राजेश कुमार, संजय सिंह, मनोज, राकेश कुमार, आदिल, रोहन, आरिफ , रहईसुदीन, सोनू, दीपक , नौशाद सैफी, दानिश सैफी, समीर सिद्दीकी,आदि मौजूद थे।

हिमाचल में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, स्कूल बंद

बारिश से जगह-जगह भूस्खलन व अचानक बाढ़ से तबाही का मंजर

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग के रेड अलर्ट के बीच कई भागों में रात से भारी बारिश दर्ज की गई है। बारिश से जगह-जगह भूस्खलन व अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं। इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, ऊना, चंबा जिले सहित कुल्लू और मनाली उपमंडल में सभी शैक्षणिक संस्थान आज बंद रखे गए हैं। लाहौल-स्पीति के केलांग और उदयपुर उपमंडल के सभी शिक्षण संस्थान भी आज बंद हैं। राज्य में सोमवार सुबह 10:00 बजे तक तीन नेशनल हाईवे सहित 628 सड़कें बंद रहीं। इसके अतिरिक्त 1533 बिजली ट्रांसफार्मर व 168 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हैं। मंडी, कुल्लू व चंबा जिले में सबसे अधिक सड़कें प्रभावित हैं। राजधानी शिमला में भी रात से बारिश रुक-रुक कर जारी है। टूटीकंडी स्थित पांजड़ी में भूस्खलन से बहुमंजिला भवन खतरे की जद में आ गया है।

समुद्रतल से 1,6500 फीट ऊंचे शिंकुला दर्रा में सोमवार को फिर बर्फबारी हुई। इससे दारचा-शिंकुला पदम सड़क मार्ग यातायात के लिए बंद हो गया है। शिंकुला दर्रा लद्दाख के जांस्कर और हिमाचल के बीच सीमा है। वहीं रोहतांग दर्रा के साथ बारालाचा साहित ऊंची चोटियों में ताजा बर्फबारी हुई है। बारिश के कारण भरमौर-पठानकोट हाइवे समेत 54 मार्ग बाधित हैं। 409 ट्रांसफार्मर बंद होने से लोगों ने अंधेरे में ही रात गुजारी।

दिल्ली मेट्रो में सफर हुआ महंगा

अब सबसे लंबी दूरी के लिए देने होंगे 64 रुपये

नई दिल्ली: दिल्ली में यात्रियों को अब मेट्रो से सफर करने के लिए अधिक जेब ढीली करनी होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने सोमवार से आधिकारिक तौर पर टिकट किराए में बढ़ोतरी कर दी है। मेट्रो ने विभिन्न लाइनों पर 1 रुपए से लेकर 4 रुपए तक की बढ़ोतरी होगी। हालांकि, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर किराए में 5 रुपए तक की बढ़ोतरी होगी। दिल्ली मेट्रो ने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी।

किराये में कितनी बढ़ोतरी : बढ़ोतरी के बाद, 0 से 2 किलोमीटर के बीच की छोटी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को अब 11 रुपए देने होंगे, जबकि 32 किलोमीटर से ज्यादा की सबसे लंबी दूरी तय करने वालों को 64 रुपए देने होंगे। इस बढ़ोतरी से पहले न्यूनतम किराया 10 रुपए था। किराया वृद्धि की घोषणा की कई यात्रियों और सोशल मीडिया यूजर्स ने आलोचना की है। कई यूजर्स ने बढ़ते किराये पर चिंता व्यक्त की।

क्यों हुई किराये में बढ़ोतरी : डीएमआरसी के अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन स्थिरता सुनिश्चित करने, हाई सर्विस स्टैंडर्ड को बनाए रखने और भविष्य में बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन के लिए किराए में बढ़ोतरी जरूरी है। डीएमआरसी का कहना है कि किराए में मामूली बढ़ोतरी की गई है। इसके तहत ज्यादातर लाइनों पर 1 रुपए से लेकर 4 रुपए तक की बढ़ोतरी लागू हो गई है। हालांकि, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर किराए में 5 रुपए तक की बढ़ोतरी होगी।

किराया बढ़ने पर यात्रियों में नाराजगी

सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर उठाए सवाल

दिल्ली मेट्रो में कितना बढ़ा किराया

दूरी स्लैब	पुराना	नया किराया	पुराना	नया किराया
0-2 किमी	10	11	10	11
2-5 किमी	20	21	10	11
5-12 किमी	30	32	20	21
12-21 किमी	40	43	30	32
21-32 किमी	50	54	40	43
32 किमी	60	64	50	54

सौरभ भारद्वाज ने किराया बढोतरी की निंदा की

आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने किराए में बढ़ोतरी की निंदा की है। उन्होंने पर पोस्ट किया, मेट्रो का किराया कैसे बढ़ गया? दिल्ली की भाजपा सरकार जवाब दे। क्या दिल्ली सरकार के नॉमिनी ने बोर्ड में किराया बढ़ाने का विरोध किया? दिल्ली सरकार ने इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों साधी? उनकी इस टिप्पणी ने दिल्ली सरकार और के बीच तनाव को उजागर किया है।

नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों को आज से ज्यादा किराया देना पड़ेगा. दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने किराए में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नया किराया स्लैब सोमवार से लागू हो गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन ने एक रुपये से पांच रुपये तक किराए में बढ़ोतरी का ऐलान किया है।

वहीं, सामान्य लाइनों पर किराया एक रुपये से चार रुपये तक बढ़ाया गया है। जबकि एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर अधिकतम पांच रुपये की बढ़ोतरी का ऐलान किया गया। दिल्ली मेट्रो में आठ साल बाद ये किराया बढ़ाया गया है। इस बढ़ोतरी को लेकर जहां मेट्रो यात्रियों में नाराजगी है तो वहीं आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर निशाना साधा है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने यह बढ़ोतरी दूरी के अनुसार तय की है। किराये में मामूली लगने वाली यह बढ़ोतरी आम नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। मेट्रो का रोजाना इस्तेमाल करने वाले यात्रियों का कहना है कि सरकार धीरे-धीरे आम आदमी की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है।

रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो वायरल

कार सवार ने मानसिक रूप से विक्षिप्त को रौंदा, मौत

कवि नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की शुरू

गाजियाबाद,करंट क्राइम : गाजियाबाद में सड़क दुर्घटना लगातार बढ़ रही हैं। साथ ही मानवता को शर्मसार करने वाले वीडियो और मामले सामने आ रहे हैं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सिटी जोन में सोमवार की शाम सोशल मीडिया पर मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र के एक थ्री-स्टार होटल के सामने सफेद रंग की कार के द्वारा मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को रौंदने का वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है इस व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई थी। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। इस मामले में पुलिस ने खुद ही मुकदमा दर्ज कराया है। जिस कार से यह एक्सीडेंट हुआ है, वह एक निजी कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस वाहन मालिक की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। बताया जा रहा है जिस वक्त यह कार हादसा हुआ, एक व्यक्ति ने इसका वीडियो बना लिया था। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रोंगटे खड़े कर देने वाला है वायरल वीडियो

करंट क्राइम : बीते दिनों जहां पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर ट्रैफिक पुलिस के एक सिपाही को जोरदार टक्कर मारने का वीडियो वायरल हुआ था। तो सोमवार को एक सफेद रंग की कार से मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को रौंदने का वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। एसीपी कवि नगर भास्कर वर्मा का कहना है कि इस मामले में आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल: एलजी के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में उपराज्यपाल के एक आदेश के खिलाफ वकीलों की हड़ताल जारी है। वकीलों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक आदेश को वापस नहीं लिया जाएगा, तब तक जिला अदालतों में कामकाज ठप रहेगा। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय से कुछ दूरी पर वकीलों ने सड़क ब्लॉक करके दिल्ली के एलजी के खिलाफ प्रदर्शन किया। राउज ऐवन्यू कोर्ट के सामने पंडित दीन दयाल उपाध्याय रोड को वकीलों ने बंद कर दिया है। दिल्ली की निचली अदालतों में वकीलों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी है।

पत्नी को जिंदा जलाने का आरोपी

विपिन 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

आरोपी ने कहा, कोई पछतावा नहीं

ग्रेटर नोएडा। सिरसा गांव में बुटीक संचालिका पत्नी को जिंदा जलाने का आरोपी पति विपिन भाटी रविवार को पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया। कासना कोतवाली पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर ज्वलनशील पदार्थ (थिनर) बरामद करने के लिए सिरसा गांव गई थी। घायल विपिन को देखने पहुंची उसकी मां और मामले की आरोपी दया को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अदालत से विपिन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया, सिरसा चौराहे के पास आरोपी विपिन दरोगा की पिस्तौल छीनकर भाग निकला। पुलिस ने पीछा किया तो उसने गोली चला दी। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। पैर में गोली लगने से घायल आरोपी को पहले डाढ़ा सीएचसी और फिर कासना के राजकीय आर्युविज्ञान संस्थान (जिम्स) में भर्ती कराया गया। मौके से ज्वलनशील पदार्थ की एक छोटी बोतल, दरोगा से छीनी गई पिस्टल बरामद की गई है। इससे पहले, पुलिस ने मुखबिर और इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की सूचना पर आरोपी विपिन भाटी को गिरफ्तार किया था। रविवार दोपहर करीब 12 बजे पुलिस आरोपी से ज्वलनशील पदार्थ की बरामदगी कराने के लिए उसे सिरसा गांव के पास एक खेत के पास लेकर पहुंची थी। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने घटना के बाद एक छोटी बोतल में वहां पर ज्वलनशील पदार्थ फेंका था।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ज्वलनशील पदार्थ ढूंढ रही थी। तभी आरोपी ने जिम्स चौकी इंचार्ज दरोगा वरुण की पिस्तौल निकालकर दो राउंड फायरिंग कर दी और भाग निकला। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। पैर में गोली लगने के बाद आरोपी वहीं गिर गया। पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। घटना के बाद जांच के लिए एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार, एसीपी सार्थक सेंगर, कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र शुक्ल के साथ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल से पिस्टल, कारतूस को कब्जे में लिया है।

निक्की ने सफदरजंग अस्पताल में तोड़ा दम

70 प्रतिशत से अधिक झुलसने के कारण निक्की ने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। कंचन ने इस मामले में विपिन भाटी, अपने पति रोहित भाटी, सास दया, ससुर सत्यवीर के खिलाफ बीएनएस की धारा-103 (1) (हत्या), 115 (2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने), 61 (2) (आपराधिक षड्यंत्र) की धाराओं में केस दर्ज कराया था। घटना के बाद आरोपी परिवार फरार हो गया था।

35 लाख दहेज की मांग को लेकर जला डाला निक्की को : दादरी के रूपवास गांव की निक्की (27 वर्ष) की दिसंबर 2016 में सिरसा गांव निवासी विपिन भाटी से हुई थी। निक्की की बड़ी बहन कंचन की शादी विपिन के भाई से हुई है।

एसएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज को लेकर भड़के केजरीवाल

'देश में खुली गुंडागर्दी चल रही है, सवाल करने वालों को लाठियों से चुप कराया जा रहा है'

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार देर रात एसएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस कार्रवाई में कई छात्रों को चोटें आईं।

पुलिस ने देर रात तक 44 लोगों को हिरासत में लिया। घटना ने राजनीतिक बहस को हवा दी है, जिसमें आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने इसे बीजेपी की तानाशाही करार दिया।

बीजेपी की गुंडागर्दी- अरविंद केजरीवाल : केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एसएससी परीक्षा की गड़बड़ियों को लेकर ये छात्र महीनों से इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे थे। उनकी आवाज सुनने की बजाय रात के अंधेरे में उन पर लाठियां बरसा दी गईं। सोचिए...जिन हाथों में कल किताबें होनी चाहिए थीं, आज उन पर चोटों के निशान हैं।

उन्होंने आगे लिखा, मीडिया को भी कवरेज से रोका गया। देश में खुली गुंडागर्दी चल रही है। बीजेपी से सवाल करने वालों को लाठियों से चुप कराया जा रहा है, जेल भेजा जा रहा है। बीजेपी ने लोकतंत्र का मजाक बना दिया है।

छात्रों का आरोप है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन कुछ लोग अचानक धक्का-मुक्की करने लगे।

छात्रों के मुताबिक ये लोग सिविल ड्रेस में मौजूद पुलिसकर्मी थे। इसके चलते भगदड़ और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

दिल्ली पुलिस का बयान और कार्रवाई : दिल्ली पुलिस के अनुसार, रामलीला मैदान में करीब 1500 लोग एकत्रित थे। प्रशासन ने तय समय सीमा के बाद प्रदर्शन खत्म करने का निर्देश दिया था, लेकिन करीब 100 लोग नहीं हटे। बार-बार समझाने के बावजूद जब वे डटे रहे तो पुलिस ने कार्रवाई की और 44 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है।

जम्मू-कश्मीर के उरी में एलओसी पर मुठभेड़, गोलीबारी में एक जवान शहीद

श्रीनगर। स्वतंत्रता दिवस से दो दिन पहले उत्तरी कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (छङ्मउ) पर सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। हालांकि, इस बीच एक जवान गोलीबारी में शहीद हो गए। ऐसी सूचना है कि इस एनकाउंटर में एक आतंकी भी ढेर हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने घुसपैठ की एक कोशिश नाकाम कर दी, जिसमें एक सैनिक शहीद हो गया। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी के चुरुंडा इलाके में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी।

घुसपैठ की आशंकाओं के बीच अलर्ट मोड पर जवान : बीते मंगलवार बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक यादव ने कहा कि पाकिस्तान आतंकियों की जम्मू-कश्मीर मे घुसपैठ कराने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। उत्तरी कश्मीर में एलओसी के पार लांचिंग पैड पर आतंकियों की गतिविधियां बढ़ रही हैं, लेकिन बीएसएफ ने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में घुसपैठ की हर कोशिश को नाकाम बनाया है।

बांदीपोर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 79 किलोमीटर लंबी साइकिल रैली को झंडी दिखाने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सेना घुसपैठ रोकने के लिए संयुक्त रणनीति के तहत काम कर रही है।

'सेना के साथ मिलकर कर रहे काम' : हम सेना के साथ मिलकर काम करते हैं और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए अपने प्रयासों का समन्वय करते हैं। इस उद्देश्य के लिए नियमित रूप से संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं।

पीएम मोदी की डिग्री से जुड़ी जानकारी नहीं की जाएगी सार्वजनिक : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने सीआईसी के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय की याचिका पर यह फैसला सुनाया।

NAME CHANGED

In My 10th Marksheet, My Father's name wrongly mentioned as Aas Mohammad Alvi instead of his correct name Aas Mohammad Saniya Alvi D/O Aas Mohammad R/O H.No-28, Sunehari Masjid, Pasonda, Sahibabad, Ghaziabad.

NAME CHANGED

I, Vishal Bhat, S/o Ravender Bhat, R/o Flat No. A-1/903, 9th Floor, Saviour Park, Mohan Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201007, have changed my name from Abhishek Bhat to Vishal Bhat. In future, I shall be known and recognized by my new name Vishal Bhat only.

कार्यालय सेनानायक टास्कफोर्स 47वीं पीएसी गाजियाबाद।

टास्कफोर्स 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद 12 फीट × 12 फीट क्षेत्रफल के 01 दुकान को किराये हेतु दिनाँक 08-09-2025 से दिनाँक 07-09-2027 तक 02 वर्ष की अवधि के लिये टेण्डर दिनांक : 08-09-2025 को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित किये जायेगें। टेण्डर उसी दिन दोपहर बाद खोले जायेगें। टेण्डर डालने वाले ठेकेदार अधिक जानकारी सेनानायक टास्क फोर्स 47वीं पीएसी के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कर सकते हैं।

पत्रांक : बी-03/स्थाई
दिनांक : अगस्त 25, 2025

सेनानायक टॉस्क फोर्स
47वीं पीएसी गाजियाबाद।

दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

03 ● नई दिल्ली। मंगलवार 26 अगस्त -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव में छाए हैं घमासान के बादल

क्रॉस वोटिंग का खतरा, आज पार्षद करेंगे कक्ष में बैठकर अपनी पसंद के नाम पर चर्चा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम कार्यकारिणी का चुनावी ऐलान हो गया है। भाजपा को अब अपने नाम तय करने हैं और नामों को लेकर अभी संगठन की ओर से किसी बैठक का ऐलान नहीं हुआ है। सदन की मुखिया मेयर और महानगर अध्यक्ष क्या एकसाथ बैठकर नाम तय करेंगे। क्या सांसद और विधायक की ओर से उनकी पसंद का कोई नाम आएगा। क्या पार्टी व्हिप जारी करेगी। ये सबकुछ ऐसे सवाल हैं जो अभी उत्तर की प्रतीक्षा में हैं, लेकिन सवाल से पहले नगर निगम में बवाल की चर्चा हो रही है।

सूत्र बताते हैं कि नगर निगम कार्यकारिणी का चुनाव इस बार इतना आसान नहीं होगा, जितना आसान इसे समझा जा रहा है। बताया जाता है कि नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव को लेकर जहां संगठन की ओर से समन्वय का प्रयास रहेगा, वहीं पार्षदों की ओर से आक्रोश का बम फूटने की आशंका जताई जा रही है। सूत्र बताते हैं कि इस बार नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव में क्रॉस वोटिंग हो सकती है। ये स्थिति अगर आई तो अध्यक्ष और मेयर के लिये चुनौती होगी। वहीं पार्षदों का एक गुट पूरी तरह से तैयार हो गया है। इसके पीछे वजह पार्षदों के असंतोष की है, हाउस टैक्स का मुद्दा और उस पर मिनट्स न मिलने की शिकायत ने आग में घी का काम किया है। हालांकि अभी पार्टी के पास समय है और ऐसे में ये भी हो सकता है कि निगम की मुखिया के रूप में मेयर पार्षदों की बैठक बुला ले। महानगर अध्यक्ष के रूप में मयंक गोयल पार्षदों को समझाने में सफल हो। बहरहाल इन सबके बीच जो खबर आ रही है वो ये है कि पार्षद किसी समझौते के मूड में नहीं हैं और इस बार कार्यकारिणी मं असंतोष का बम फूट सकता है।\

ये हैं पार्षदों की नाराजगी के कारण

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नगर निगम के सदन में पूर्ण बहुमत में हैं और सूत्र बताते हैं कि बहुमत वाले पार्षद ही एकमत से मोर्चा खोलने की तैयारी में हैं। हालांकि वो पहले भी मोर्चा खोल चुके हैं और निगम में धरने पर बैठ चुके हैं। हाउस टैक्स को लेकर मीटिंग उन्हीं की डिमांड पर बुलाई गई थी और अब भी बहुमत वाले दल के पार्षद एकमत से विरोध की तैयारी में हैं। पार्षद नाराज हैं और उनकी नाराजगी का सबसे बड़ा कारण ये है कि वार्ड में उन्हें छोटी-छोटी सुविधाओं के लिये इस दर से उस दर तक चक्कर काटने पड़ते हैं। पार्षद खुद बताते हैं कि एक लाइट, एक पंप के लिये संघर्ष की स्थिति आ जाती है। जनता उन्हें पावर में समझती है, लेकिन उन्हें नहीं पता कि छोटी-छोटी चीजों के लिये पार्षद संघर्ष कर रहे हैं। नाराजगी का एक कारण पार्षदों को ना मिलने वाला वो एक करोड़ का फंड भी है। पार्षदों को एक करोड़ का फंड देने की घोषणा हुई थी, लेकिन ये फंड उन्हें नहीं मिला, वहीं पार्षद बताते हैं कि हाउस टैक्स वाली मीटिंग के बाद जब वो विकास का प्रस्ताव लेकर गए तो उन्हें फंड ना होने का हवाला देकर टाल दिया गया। हाउस टैक्स के मुद्दे पर पार्षद पहले ही नाराज हैं क्योंकि जनता उनसे सवाल पूछ रही है और वो क्या जवाब दें। वहीं सबसे बड़ी वजह ये है कि पार्षदों के काम नहीं हो रहे हैं।

कोई तो गुट कर रहा है तैयारी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम का कार्यकारिणी चुनाव इस बार ईजी गेम नहीं है। सूत्र बताते हैं कि पार्षद पूरी तैयारी में हैं और निगम में मोर्चा खुलेगा। इससे पहले भी ये हुआ था कि संगठन और सदन की मुखिया के कहने के बाद पहले नदिया पार के दो पार्षदों ने पर्चा ले लिया, फिर उसे वापस कराया गया और इसके बाद शहर वाले पार्षद पर्चा लेकर उसे जमा कराने के बाद अंतर्ध्यान हो गए। मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। उनके इंतजार में सुबह से शाम हो गई और फिर बिना किसी फैसले के मीटिंग और चुनावी प्रक्रिया तमाम हो गई। सूत्र बताते हैं कि इस बार भी मोर्चा खुलेगा, पर्चा भी लिया जाएगा, भरा भी जाएगा और क्रॉस वोटिंग भी हो सकती है। एक गुट पूरी तैयारी कर चुका है।

जो भरेंगे पर्चा उनमें इन नामों की चर्चा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव होना है और इनमें से छह सदस्य चुने जाने हैं। चार नाम पार्टी तय करेगी, दो नाम विपक्ष के होंगे। हालांकि माना ये जा रहा है कि यहां पार्टी पांचवां नाम भी ला सकती है। पर्चा भरने वाले नामों की चर्चा करें तो इनमें पहला नाम गौरव सोलंकी का है। ये नाम कैबिनेट मंत्री का नाम बताया जाता है और इस नाम में काफी वजन भी बताया जा रहा है। नदिया पार की बात करें तो लाजपत नगर से पार्षद हिमांशु शर्मा भी यहां कार्यकारिणी के लिये उम्मीदवार हो सकते हैं। पर्चा भरने वालों में शहर सीट से विनील दत्त, उदित मोहन और देवनारायण शर्मा के नामों पर भी चर्चा चल रही है। वहीं रिपीट वाले सीन में मुरादनगर से मनोज त्यागी हो सकते हैं। पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी का भी नाम बताया जाता है। नगर निगम कार्यकारिणी में शीतल चौधरी भी प्रयासरत हैं।

किस पार्षद के नाम पर बड़ी जनप्रतिनिधि की मुहर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वैसे तो निगम कार्यकारिणी में सभी अपना-अपना नाम देंगे। कोई नाम सांसद का होगा, कोई नाम विधायक का होगा, लेकिन यहां एक नाम ऐसा है जो कैबिनेट मंत्री की विधानसभा से आयेगा और सूत्र बताते हैं कि एक बडे जनप्रतिनिधि की मुहर इस नाम पर लगेगी। नदिया पार से वैश्य समाज का ये नाम है। सूत्र बताते हैं कि उन्हें पिछली बार भी कार्यकारिणी में जाना था, लेकिन समीकरण के चलते उन्हें धीरज रखने की सलाह दी गई थी और अब ये नाम जनप्रतिनिधि की बिरदारी वाला नाम होकर सामने आएगा।

गौरव सोलंकी ने बुला ली आज निगम में बैठक

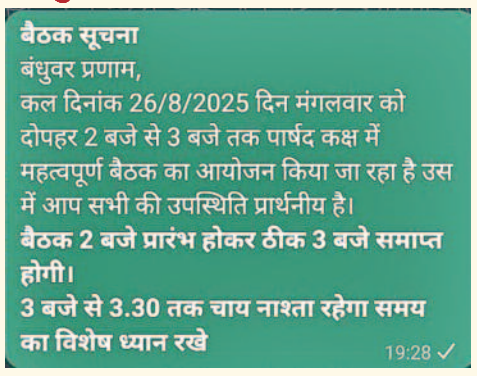

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नदिया पार से दावेदारी का सिलसिला शुरू हो गया। पार्षद मदन राय ने रविवार को ही अपनी राय दे दी थी कि वो निगम कार्यकारिणी का चुनाव लड़ेंगे। वहीं हाउस टैक्स मुद्दे को जोरशोर से उठाने वाले भाजपा पार्षद गौरव सोलंकी ने आज नगर निगम के पार्षद कक्ष में पार्षदों की बैठक बुला ली। नगर निगम के पार्षद कक्ष में आज ये बैठक दो से तीन बजे होगी। बताया जाता है कि निगम कार्यकारिणी चुनाव के लिये पार्षद अपनी पसंद के नाम को लेकर चर्चा करेंगे। वहीं इस मामले में पार्षद मदन राय ने व्हॉट्सएप ग्रुप पर यह भी सुझाव रखा कि जो एक बार कार्यकारिणी का सदस्य बनेगा वो दोबारा अपनी दावेदारी नहीं करेगा और बताते हैं कि पार्षद इस बात पर राजी भी हो गए हैं।

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में धारा-163 लागू

मांझा बिक्री, पटाखों, सिम कार्ड और शराब की दुकानों को लेकर विशेष एहतियात

साइबर कैफे, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, वाइन शॉप, स्क्रैप डीलरों के यहां हर हाल में लगेंगे कैमरे

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम को शांतिपूर्ण ढंग से चलाने और कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने 25 अगस्त से धारा-163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 का आदेश जारी करते हुए निषेध्ज्ञा लगा दी है। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत प्रत्येक जोन, सर्किल व थानाक्षेत्र में इसका सख्ती से पालन करना होगा। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड भी इसका समय-समय पर निरीक्षण करेंगे।

स्कूलों के आसपास नहीं बिकेंगे तंबाकू उत्पाद

करंट क्राइम : इस आदेश के तहत अब शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। एडिशनल सीपी ने कहा कि किसी भी स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थान के आसपास अब पान-मसाला, सिगरेट या अन्य तंबाकू उत्पाद बेचना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। वहीं कांच वाले मांझे की बिक्री व उपयोग पर रोक लगाई गई है। कांच पाउडर युक्त मांझाधागे का भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण रोक लगा दी गई है।

पटाखों के उत्पादन, बिक्री और भंडारण पर रोक

करंट क्राइम : आदेश के मुताबिक, पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र में पटाखों के उत्पादन, बिक्री, भंडारण और फोड़ने पर रोक रहेगी। वहीं किरायेदार का पुलिस सत्यापन अनिवार्य किया गया है। अब मकान मालिक बिना पुलिस सत्यापन के किसी को मकान किराए या उप-किराए पर नहीं देंगे। साथ ही सिम कार्ड बिक्री पर सख़्ती होगी। सिम कार्ड बेचने वाले दुकानदारों को खरीदार की पहचान व पते के प्रमाण की फोटोकॉपी रिकॉर्ड में रखनी होगी।

कैमरे लगाने पर दिया जाएगा जोर

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट में अब स्क्रैप डीलरों और एजेंटों पर निगरानी होगी। सभी स्क्रैप डीलरों को ग्राहकों का पूरा डेटा रखना होगा और दुकानों-गोदामों पर सीसीटीवी अनिवार्य होगा। वहीं बिना पहचान सत्यापन के किसी को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा। विज़िटर्स की एंट्री रजिस्टर और फोटो रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा। बैंक और वित्तीय संस्थानों के बाहर कैमरों से कवर और रिकॉर्डिंग को 15 दिन तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा।

शराब की दुकानों पर होगी सख़्ती

करंट क्राइम : शराब दुकानों के बाहर 50 मीटर तक कैमरा कवरेज, बोर्ड पर सार्वजनिक स्थान पर शराब पीना अपराध है, यह लिखना और अनधिकृत विक्रेताओं को रोकना अनिवार्य होगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन आदेशों का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय होगा। मुकदमा संबंधित कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा दायर किया जाएगा। यह आदेश ग़ाज़ियाबाद कमिश्नरेट की संपूर्ण सीमा में लागू रहेगा और इसके पालन की ज़िम्मेदारी पुलिस विभाग की होगी।

'गाजियाबाद में 6365 अपराधी हुए सर्टिफाइड'

180 वारंटियों ने लगाई हाजिरी, 22 अरेस्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में बीट पुलिसिंग व्यवस्था स्थापित करने के बाद अब क्राइम कंट्रोल करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर दो दिवसीय अभियान चलाया गया। जिसके तहत 10 वर्षों में विभिन्न अपराधों में शामिल अपराधियों के सत्यापन के साथ ही वारंटियों की हाजिरी गिरफ्तारी और धरपकड़ अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत 6365 अपराधियों का भौतिक सत्यापन किया गया, उनका वर्तमान पता, मोबाइल नंबर, रहने का स्थान, मूल निवास स्थान और मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दर्ज की गई है। तो वहीं न्यायालय से वारंट संबंधित 180 अभियुक्तों की भी खोज परख की गई। तो वहीं 22 अभिक्तों को गिरफ्तार

ग्रामीण जोन में सबसे ज्यादा बदमाश और एक्शन

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में ग्रामीण जोन बदमाशों की बड़ी शरण स्थली बताया जा रहा है। ग्रामीण जोन में बीते 10 सालों में 3551 बदमाश एक्टिव होने का रिकॉर्ड मिला है। तो नगर जोन में यह संख्या 1300 दर्ज की गई है। तो वहीं ट्रांस हिंडन जोन में 1514 रही। कुल मिलाकर वर्तमान में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन को मिलाकर 6365 अपराधियों का सत्यापन किया गया है।

22 अभियुक्त गिरफ्तार, 180 ने लगाई हाजिरी

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा और सुरक्षित वातावरण निर्माण को लेकर पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया था। जिसके तहत ग्रामीण जोन, नगर जोन और ट्रांस हिंडन जोन के डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों की मॉनिटरिंग में यह दो दिवसीय अभियान चला है। इस अभियान में ग्रामीण जोन में 94, नगर जोन में 41 और ट्रांस हिंडन जोन में 45 यानी कुल 180 अपराधियों ने जो वारंटी हैं हाजिरी लगाने का काम किया गया। तो वहीं कुल 22 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। जिसमें ग्रामीण जॉन के अंतर्गत 17, नगर जोन से एक और ट्रांस हिंडन जोन से चार आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए, जेल भेजे हैं।

मां का आशीर्वाद और चार पीढ़ियों की आई एक खूबसूरत तस्वीर

ऐसा प्रेम और ऐसे संस्कार वाले परिवारों की होती है मजबूत तकदीर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आज जब परिवार नामक संस्था सिकुड़ रही है, यूनिट फैमिली का चलन बढ़ रहा है, तब ऐसे में एक परिवार ऐसा है जो इस बात की मिसाल है कि एक भाई के जन्मदिन को सेलिब्रेट करने के लिये चार पीढ़ी एक साथ मौजूद रहे। ये परिवार लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के प्रतिनिधि राजेंद्र मित्तल मेदी वालों का है। राजेंद्र के बड़े भाई देवेंद्र मित्तल का सोमवार को जन्मदिन था। भाई के जन्मदिन को सेलिब्रेट करने के लिये छोटे भाई राजेंद्र मित्तल मेदी वालों ने पारिवारिक आयोजन किया और यहां से सबसे पावन क्षण वो रहा जब उनकी 90 वर्षीय माता शकुंतला देवी अपने पड़पोते का हाथ पकड़े हुए पहुंची और उन्होंने अपने बेटे को जन्मदिन पर स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। सबसे बड़ी बात ये थी कि यहां एक परिवार की चार पीढ़ियां एक साथ थी। एक पीढ़ी आशीर्वाद दे रही थी, एक पीढ़ी आशीर्वाद ले रही थी। जन्मदिन पर देवेंद्र मित्तल के सुपुत्र निखिल और पौत्र अंशुल मित्तल मौजूद थे।

चचेरे भाई संजीव मित्तल मौजूद थे। एक ऐसी खूबसूरत तस्वीर जो सभी के लिये एक प्रेरणा दे रही है। यहां परिविार की गरिमा और संस्कारों का संगम दिखाई दे रहा है। ये केवल एक तस्वीर नहीं है बल्कि आज के उस युवा वर्ग के लिये भी एक बड़ी मिसाल है जिन्हें लगता है कि परिवार से अलग कुछ तरक्की हो सकती है। वो देख लें कि अगर आशीर्वाद है तो परिवार में है। अगर स्नेह और प्यार है तो वो परिवार में है। इस संस्कार के आयोजन में सबसे बड़ी भूमिका सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र मित्तल मेदी वालों की रही। अगर परिवार में ऐसे सदस्य होते हैं तो परिवार अपने आप में एक ताकत बन जाता है। इस

अवसर पर अंकुर गोयल, सुमित गुप्ता, दुष्यंत गुप्ता, दीपक शर्मा, यशवर्धन, मनीष दीक्षित भी मौजूद रहे।

संपादकीय

दिल्ली उच्च न्यायालय का स्पष्ट रुख

शहरों-महानगरों में महंगे रेस्तरां में भोजन के लिए जाने वाले ज्यादातर लोग शायद इस बात पर बहुत गौर नहीं करते कि वे कितने पैसे चुका रहे हैं। यही वजह है कि रेस्तरां में खाने-पीने के कुल खर्च के अलावा भी अलग से सेवा शुल्क जोड़ दिया जाता है। या तो लोग इसके औचित्य से अनजान रहते हैं या फिर उसे चुकाने में उन्हें कोई उज्र नहीं होता। जबकि यह सीधे-सीधे उपभोक्ता अधिकारों का हनन है और किसी वस्तु की निर्धारित से ज्यादा कीमत वसूलने का अवांछित प्रयास है। इसे कानूनन भी गलत माना जाना चाहिए। हालांकि इस तरह अनधिकृत रूप से ज्यादा कीमत वसूलने के मुद्दे पर पहले भी केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण और दिल्ली उच्च न्यायालय अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं कि रेस्तरां अपने बिल में अलग से सेवा शुल्क नहीं जोड़ सकते। अदालत ने उपभोक्ताओं के अधिकारों को सबसे अहम बताया था। लेकिन यह समझना मुश्किल है कि ग्राहकों से नाहक पैसे वसूलने के मसले पर रेस्तरां मालिक क्यों अपनी मनमानी चलाना चाहते हैं।

ऐसी वसूली पर तत्काल लगनी चाहिए रोक अब एक बार फिर दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेस्तरां एसोसिएशन से यह पूछा है कि जब आप खाने-पीने की चीजों पर पहले से ही अधिकतम खुदरा मूल्य से ज्यादा शुल्क वसूल रहे हैं, तब फिर अलग से सेवा शुल्क क्यों ले रहे हैं। यह जगजाहिर हकीकत है कि किसी भी महंगे रेस्तरां में अगर कोई व्यक्ति भोजन करने जाता है तो उसे वहां मिलने वाले खाद्य पदार्थों के लिए वाजिब से काफी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। अतिरेक तब हो जाता है, जब रेस्तरां की ओर से न केवल सामान्य कीमतों से अधिक मूल्य पर वस्तुएं दी जाती हैं, बल्कि खाना परोसने के नाम पर कुल बिल में अलग से सेवा शुल्क भी जोड़ दिया जाता है।

सवाल है कि क्या ग्राहकों के सामने यह स्पष्ट किया जाता है कि रेस्तरां में उनकी सीट पर खाने-पीने का सामान पहुंचाने के लिए अलग से पैसे जोड़े जाएंगे। यही नहीं, आमतौर पर बिल चुकाने के बाद रेस्तरां या होटल के बैरे को बख्शीश देना भी एक रिवायत-सी बन चुकी है। इस तरह, ऐसे होटलों या रेस्तरां में कुल खर्च के ऊपर भी कई बार खासी रकम चुकानी पड़ती है। ऐसी वसूली पर तत्काल रोक लगनी चाहिए और दिल्ली उच्च ने रेस्तरां एसोसिएशन के रुख पर वाजिब सवाल उठाया है।

'अब टैक्स कानून समझना आसान, लोग जान पाएंगे अधिकार'

नए आयकर कानून पर बोले सीबीडीटी के सदस्य

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष बोर्ड (सीबीडीटी) के सदस्य (विधान) आरएन परबत ने नए आयकर अधिनियम पर कहा कि आयकर निकाय पुरानी शब्दावली और जटिल व्याख्याओं से दूर हो गया है। अब आम करदाता अगर प्रावधानों को पढ़ेंगे, तो वह समझ पाएंगे कि उनके मामले में कानून क्या कहता है।

कानूनी जटिलताओं को कम करने के लिए सरल भाषा में लिखा गया है नया आयकर अधिनियम। केंद्रीय प्रत्यक्ष बोर्ड (सीबीडीटी) के सदस्य (विधान) आरएन परबत ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि कानूनी चुनौतियों को खत्म करने और आम करदाताओं के लिए कर प्रावधानों को अधिक सुलभ बनाने के लिए नए आयकर अधिनियम को सरल भाषा का उपयोग करके तैयार किया गया है।

आम आदमी को अपने अधिकारों को समझने में आसानी होगी

परबत ने बताया कि आयकर निकाय पुरानी शब्दावली और जटिल व्याख्याओं से दूर हो गया है। इससे पहले आम नागरिकों के लिए कर कानूनों को समझना मुश्किल हो जाता था। उन्होंने कहा कि आम करदाता अगर प्रावधानों को पढ़ेंगे, तो वह समझ पाएंगे कि उनके मामले में कानून क्या कहता है। आम आदमी अपने अधिकारों को जान पाएंगे। वे उस कानून को समझ पाएंग जिसके तहत वह आयकर चुका रहे हैं।

सीबीडीटी ने किए बड़े बदलाव

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने बड़ा बदलाव किया है। अब नियमों और निदेशों में जटिल कानूनी भाषा की जगह आसान और आधुनिक शब्दों का इस्तेमाल होगा। इसके साथ ही जानकारी को समझाने के लिए तालिकाओं का सहारा लिया जाएगा। सीबीडीटी के अनुसार 26 फरवरी 2026 को अधिनियम के कार्यान्वयन से पहले इस वर्ष के अंत तक सभी नए नियम और प्रपत्र तैयार हो जाएंगे।

सरकार ने जुलाई 2024 के बजट में प्रस्ताव दिया था कि आयकर अधिनियम, 1961 की समयबद्ध व्यापक समीक्षा की जाएगी ताकि अधिनियम को संक्षिप्त, सुस्पष्ट तथा पढ़ने और समझने में आसान बनाया जा सके।

13 फरवरी, 2025 को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 पेश किया गया था और इसे शीघ्र ही जांच के लिए प्रवर समिति को भेज दिया गया था। प्रवर समिति ने सुझावों के साथ अपनी रिपोर्ट 21 जुलाई, 2025 को लोकसभा में पेश की। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली 31 सदस्यीय प्रवर समिति ने विधेयक में कुछ बदलावों का सुझाव दिया था।

पिछले विधेयक को वापस ले लिया गया था, लेकिन कुछ बदलावों के साथ इसे दोबारा संसद में पेश किया गया और पारित किया गया।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बोले: हमारे पास 11 महीने के निर्यात को कवर करने जितना विदेशी मुद्रा भंडारे

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने के व्यापारिक निर्यात को कवर करने के लिए पर्याप्त रूप

से मजबूत है, इससे अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों के खिलाफ सुरक्षा मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को मुंबई में वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 में यह बात कही। उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, हमारे पास उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 695 बिलियन डॉलर है। यह 11 महीने के व्यापारिक निर्यात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। यह ध्यान देने देने वाली बात है कि आरबीआई आमतौर पर विदेशी मुद्रा भंडार को आयात के आधार पर मापता है, निर्यात के आधार पर नहीं। एफआईबीएसी 2025 में बोलते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई बैंक ऋण बढ़ाने के उपायों की जांच कर रहा है।

आरबीआई के नियमों की समीक्षा के लिए बनेगा प्रकोष्ठ

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंक के नियमों यानी विनियमों की समीक्षा के लिए एक नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ बनाने की बात कही है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि प्रस्तावित प्रकोष्ठ 5-7 वर्षों में कम से कम एक बार सभी विनियमों की समीक्षा करेगा। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता व आर्थिक विकास के उद्देश्य से मौद्रिक नीति का संचालन जारी रखेगा। मल्होत्रा ने कहा कि हम वित्तीय स्थिरता को मजबूत करना जारी रखेंगे, यह हमारा प्राथमिक उद्देश्य है।

सोना 200 रुपये गिरकर 100170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी के भाव स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मंदी के रुख के बीच स्टॉकिस्टों की बिकवाली से सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने इसकी पुष्टि की। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 150 रुपये गिरकर 99,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 1,00,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, चांदी की कीमतें 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं। वैश्विक बाजारों में न्यूयॉर्क में सोना 0.26 प्रतिशत गिरकर 3,363.45 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

मिराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज एवं करेंसी प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, सोने में सोमवार को गिरावट देखी जा रही है और यदि अमेरिकी रोजगार बाजार कमजोर होता है तो इसमें सकारात्मक रुझान रहने की उम्मीद है, क्योंकि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ गई है। हाजिर चांदी भी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38.78 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। मेहता इक्विटीज के कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा, पिछले हफ़्ते जैक्सन होल संगोष्ठी में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की नरम रुख वाली टिप्पणियों के बाद सोने और चाँदी की कीमतों में तेजी से उछाल आया।

पॉवेल ने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक दिसंबर के बाद पहली बार ब्याज दरों में जल्द ही कटौती कर सकता है आगामी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक 16-17 सितंबर को निर्धारित है। हालांकि, कलंत्री ने कहा कि मुद्रास्फीति की लगातार चिंता और सुस्त आर्थिक गतिविधि के कारण ब्याज दरों में आक्रामक कटौती नहीं हो सकती है। ऐसा होने से कीमती धातुओं में आगे की तेजी पर रोक लग सकती है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 329 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। आईटी की शेयरों में भारी खरीदारी हुई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे गिरकर 87.58 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 81,635.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 492.21 अंक या 0.60 प्रतिशत बढ़कर 81,799.06 अंक पर पहुंच गया।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,967.75 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, मारुति और टाइटन प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी से ऊपर बंद हुए।

फेड ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद ने बाजार को सहारा दिया

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सितंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती और उसके बाद अमेरिका में 10 साल की ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीदों से घरेलू बाजार में आशावाद की लहर दौड़ गई। अनुकूल वैश्विक धारणा से उत्साहित होकर आईटी सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि उपभोग मांग को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित जीएसटी युक्तिकरण से घरेलू स्तर पर सकारात्मक रुख बना हुआ है। अच्छा मानसून वैश्विक व्यापार वातावरण में किसी भी अनिश्चितता से निपटने में काम आ सकता है।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 67.96 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.34 प्रतिशत बढ़कर 67.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,622.52 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। शुक्रवार को सेंसेक्स 693.86 अंक या 0.85 प्रतिशत गिरकर 81,306.85 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 213.65 अंक या 0.85 प्रतिशत गिरकर 24,870.10 पर बंद हुआ।

रोचक तथ्यों का करंट

- वे किसान जिन्होंने किसी नाम से अपनी गायों को बुलाया है, उन लोगों ने ऐसा ना करने वालों की तुलना में 258 लीटर अधिक दूध उपज दर्ज किया है।
- क्या आप जानते हैं? अधिकांश गायों ने संगीत को सुनने के दौरान अधिक दूध दिया है।
- पूर्वी एशिया में, मंगोलिया में दूध का भारी मात्रा में इस्तेमाल किया गया था, लेकिन चीन में दूध की खपत अलग-अलग शैली में परिवर्तित होती रहती थी। दक्षिण कोरिया से आयातित गायों से जापानी डेयरी उत्पादों का उपभोग किया गया था!
- आपको जानकर आश्चर्य होगा की दूध की बाल्टी में एक मेंढक डालने से दूध को खारा होने से बचाने का एक प्राचीन रूसी तरीका था। इस पद्धति का अध्ययन करके, वैज्ञानिकों ने नए एंटीबायोटिक पदार्थों के धन की पहचान की है।
- क्या आप जानते हैं? याक का दूध गुलाबी होता है!
- दूध ही एकमात्र पूर्ण खाना है जिससे आप पूरी तरह से जीवित रह सकते हैं, जिससे आपके शरीर के हर पोषक तत्व को जीवित रहने की आवश्यकता होती है!

राशिफल

मेष : आपको कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। चीजों को समय से पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। जल्दबाजी में निर्णय न लें और जोखिम से बचें।

वृष : आज आप परिवार के साथ बेहतर समय बिताएंगे। इस राशि के जो लोग मार्केटिंग से जुड़े हैं उन्हें आज तरक्की के कुछ मौके मिल सकते हैं।

मिथुन : आज आपको रोजगार के क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। इनके घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा। ख्याली पुलाव पकाने में समय बर्बाद न करें।

कर्क : घर में किसी नए सदस्य के आने की खबर आपको जल्द ही सुनने को मिलेगी। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध सुधरेंगे। वह आपका भरपूर सहयोग करेंगे।

सिंह : आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। जिससे इच्छा के अनुसार सारे काम पूरे नहीं हो पाएंगे। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कन्या : रचनात्मक कार्यों में लगे लोगों के लिए यह बहुत अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें वह प्रसिद्धि और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें लंबे समय से तलाश थी।

तुला : दिन मिले-जुले परिणाम वाला रहेगा, लेकिन बड़े पैमाने पर चीजें आपके पक्ष में होंगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटें और मुश्किलें आएंगी। खर्चे बढ़ेंगे।

वृश्चिक : आप थोड़ी सी मेहनत करेंगे तो बड़ा मुनाफा हो सकता है। समाज में मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी और अब तक रुके हुए सभी कार्य परिवारजनों के सहयोग से पूरे होंगे।

धनु : आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोधी आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं। विद्यार्थियों को अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

मकर : आज आपको खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। सीनियर्स को खुश करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

कुंभ : आज लोगों का आप पर विश्वास बना रहेगा। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल है। सफलता आपके कदम चूमेगी।

मीन : आज आपकी जिम्मेदारियां बढ़ने वाली हैं। इसके लिए तैयार रहो। अपने परिवार की बेहतरी के लिए कड़ी मेहनत करें। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी।

चुटकुले

बॉस : आपकी सबसे बड़ी कमजोरी क्या है?
पप्पू : सच बोलना!
बॉस : लेकिन ये तो अच्छी बात है।
पप्पू : नहीं सर, आपको झूठा लग रहा है!

दोस्त : भाई, तेरी बीवी तो गुस्से में तूफान लगती है!
पति : हाँ, और जब खुश होती है
दोस्त : तब?
पति : तब भी तूफान ही लगती है, बस थोड़ा हल्का सा!

पत्नी : सुनो जी, मैं मर गई तो क्या करोगे?
पति : मैं भी पागल हो जाऊँगा।
पत्नी : कितना पागल?
पति : इतना कि फिर से शादी कर लूँगा!

टीचर : बेटा, बताओ बिजली कहाँ से आती है?
पप्पू : पड़ोसी के घर से!
टीचर : वो कैसे?
पप्पू : पापा वहीं से तार जोड़कर लाते हैं!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

डीएम की मेहनत से जनता का बढ़ रहा प्रशासन पर विश्वास

जनसुनवाई में निरंतर हो रही बढ़ोतरी

गरीबों एवं पात्र लोगों की सेवा करना हमारी प्राथमिकता एवं नैतिक जिम्मेदारी: जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा प्रतिदिन की तरह जनसुनवाई की गयी। जिलाधिकारी द्वारा की जा रही जनसुनवाई में प्रत्येक जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। उन्होने सभी प्रार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा। उन्होंने शिकायतकर्ताओं एवं प्रार्थियों की समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुना और उसके निस्तारण की त्वरित कार्यवाही की।

जनसुनवाई के दौरान आवास विकास विभाग से रजिस्ट्री से सम्बंधित शिकायत प्राप्त हुई, जिलाधिकारी महोदय ने ए0आर0 कॉपरेटिव को सम्बंधित शिकायतकर्ताओ से वार्ता कराते हुए निर्देशित किया कि शिकायत का नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। इसके साथ जीडीए से सम्बंधित एक शिकायत में शिकायतकर्ताओ ने कहा कि उसने अपनी पुस्तैनी जमीन पर मकान बनाया अब उसका लैण्टर डालना रह गया था कि जीडीए के एक अधिकारी ने कहा कि यह जमीन जीडीए की है और काम रूकवा दिया, जिलाधिकारी द्वारा सम्बंधित शिकायत के अधिकारी से उक्त मामले में न्यायपूर्ण जांच करते हुए निस्तारण के आदेश दिये गये। वहीं वेवसिटी के किसानों द्वारा उनके धरना प्रदर्शन को समाप्त कराने और उन पर एफआईआर दर्ज कराने के मामले को अन्याय पूर्ण बताकर जिलाधिकारी महोदय से न्याय की मांग की गयी। एक प्रार्थी द्वारा शिकायत की गयी कि उसकी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है, जिलाधिकारी ने सम्बंधित तहसीलदार को निर्देशित किया कि उक्त मामले की स्वयं जांच करते हुए दो दिन में आख्या प्रस्तुत की जाएं।

एक प्रार्थिनी द्वारा जिलाधिकारी महोदय से उसके बच्चे के ईलाज हेतु, जो कि 2020 में करंट लगने से हो गया था, का निवेदन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सीएमएस से वार्ता कर उक्त ईलाज कराने हेतु निर्देशित किया गया, उन्होने प्रार्थी से कहा कि उक्त बच्चे के ईलाज में कोई भी खर्चा आता है कि उसका बिल हम रेड क्रोस सोसाईटी के माध्यम से भुगतान करा देंगे। आप निश्चिंत होकर बच्चे का ईलाज करायें। गरीबों एवं पात्र लोगों की सेवा करना हमारी प्राथमिकता एवं नैतिक जिम्मेदारी है।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा जिस प्रकार से "इधर शिकायत प्राप्त–उधर निस्तारण की कार्यवाही शुरू" की कार्यशैली से जनता में प्रशासन पर विश्वास बढ़ता जा रहा रहा है जिसे देखते हुए प्रार्थियों और शिकायतकर्ताओ की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। करीब 150 से भी अधिक प्रार्थियों ने जिलाधिकारी को अपनी–अपनी शिकायतें बताई, जिसमें से अधिकतर शिकायतों से सम्बंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर प्रार्थियों से वार्ता कराते हुए उनके निस्तारण की कार्यवाही को निस्तारण की ओर अग्रसर किया गया।

जनसुनवाई के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, आईएएस ज्याइंट मजिस्ट्रेट अयान जैन, एसीएम राजेन्द्र कुमार, डीआईओ योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नॉर्थ इंडिया कराटे प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम रही दूसरे स्थान पर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कराटे वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आयोजित दो दिवसीय नॉर्थ इंडिया कराटे प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं ओडिशा के 273 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिनमें प्रथम स्थान पर छत्तीसगढ़ व दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश एवं तीसरे स्थान पर दिल्ली की टीम रही।

कराटे वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष एवं आयोजन समिति के चेयरमैन विजय कौशिक ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मे एम एल सी विधायक श्रीचंद शर्मा ने विधिवत रिबन काट कर एवं नारियल फोड़ के किया। संस्था के संरक्षक बी एल बत्रा ने बताया कि डिप्टी पुलिस कमिश्नर गौतम बुध नगर प्रवीण रंजन सिंह व एसपी विजिलेंस मेरठ राजीव कुमार ने सभी खिलाड़ियों की हौसलाफजई की और सैकड़ों किलोमीटर का सफर कर के आए हुए उनके मास्टरों के स्मृति पुरस्कार देके सम्मानित किया। समापन समारोह में शहर विधायक संजीव शर्मा एवं पूर्व राज्यमंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ चौधरी नीर पाल सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। खेल प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष संजीव अरोरा, दिनेश शर्मा , नितिन शर्मा आदि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत स्कूल के प्रबंधक पवन कुमार त्यागी ने किया साथ में स्वागत अध्यक्ष नौशाद अहमद प्रिंस रहे भी मौजूद रहे। स्कूल की प्रधानाचार्य स्वाति त्यागी ने सभी का आभार व्यक्त किया । इस मौके पर आयोजन सचिव तुषार ठाकुर ने संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश चावला, सुरेंद्र यादव, डॉ पी कुमार, कुणाल त्यागी, डॉ राजीव त्यागी आदि ने सभी खिलाड़ियों को आभार वक्त किया। निर्णायक समिति में वरुण पाण्डेय, रविन्द्र शर्मा, पवन शर्मा, सुंदर सिंह, सोनू यादव, देवराज सिंह, नवीन विश्वकर्मा, विशाल प्रजापति, रुक्मणि रानी, अनमोल गुप्ता, अलकेश, कुलप्रिया राणा, सुमित कुमार, परवीन ठाकुर, मोहम्मद सद्दाम, मुकेश कुमार, करण कुमार सहित आदि लोग ने कार्यकम का संचालन किया। साथ ही आयोजन समिति ने आशीष चौधरी, आकाश ठाकुर, प्रगर्ति सिंह , हिमांशु, आफताब, सनी, प्रमोहन, शाहीन अख्तर, उस्मान सहित आदि ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए कार्य किया।।

गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारी संघ के चुनाव में सभी आठ पदों पर दो पहलुओं के बीच होगा कड़ा मुकाबला

सभी आठ पदों के लिए किए गए नामांकन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारी संघ के चुनाव का बिगुल बज गया है। सोमवार को सभी आठ पदों के लिए नामांकन किए गए। चुनाव में दो पैनलों के बीच रोचक मुकाबला होगा। पैनल ए की ओर से अध्यक्ष पद के लिए अनुराग नागर ने नामांकन किया वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए मयूर गिरधर और महामंत्री पद के लिए महेंद्र प्रताप ने नामांकन किया। उप मंत्री पद के लिए पैनल ए से भीम सिंह, संगठन मंत्री के लिए आकाश शर्मा, प्रचार मंत्री के लिए सिराजुद्दीन, कोषाध्यक्ष के लिए सुनील कुमार और कार्यालय मंत्री के लिए विक्रम सिंह ने नामांकन किया। चुनाव अधिकारी बृजमोहन सिंघल ने बताया कि पैनल बी से अध्यक्ष पद के लिए निवर्तमान अध्यक्ष रविंद्र कुमार, उपाध्यक्ष पद के लिए संजय शर्मा, महामंत्री पद के लिए कुलदीप शर्मा, उप मंत्री पद के लिए निजामुद्दीन, संगठन मंत्री पद के लिए योगेश यादव, प्रचार मंत्री पद के लिए रमेश चंद्र जोशी, कोषाध्यक्ष पद के लिए रविंद्र पाल और कार्यालय मंत्री के लिए संदीप पिहवाल ने नामांकन किया।

गाजियाबाद गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारी संघ के लिए 29 अगस्त को मतदान होगा। उसी दिन शाम को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

रेड क्रॉस और रोटरी क्लब ने मिलकर टीबी के खिलाफ छेड़ा अभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लक्ष्य मुश्किल है, लेकिन कदम नहीं रुकेंगे – इसी ध्येय वाक्य को लेकर, भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी गाज़ियाबाद और रोटरी क्लब गाज़ियाबाद ग्रेटर नेक्स्ट ने मिलकर तपेदिक (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा है। इन दोनों संगठनों ने टीबी के मरीजों की सहायता के लिए एक नई और प्रभावी पहल शुरू की है।

पोषण पोटली का वितरण : गाज़ियाबाद के विजयनगर स्थित राजकीय स्वास्थ्य केंद्र में, 50 टीबी रोगियों को उनके दूसरे महीने की 'पोषण पोटली' वितरित की गई। यह कार्यक्रम रोटरी क्लब गाज़ियाबाद ग्रेटर नेक्स्ट की रो. अरुणा अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें गाज़ियाबाद सदर के विधायक श्री संजीव शर्मा भी मौजूद थे। इस मदद से सभी लाभार्थी काफी प्रसन्न हुए और उन्होंने रेड क्रॉस व रोटरी का आभार व्यक्त किया।

सम्मान और समर्थन : इस अवसर पर, विधायक संजीव शर्मा ने क्लब अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, और सुरेंद्र शर्मा को रेड क्रॉस के पूर्व अध्यक्ष व जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा हस्ताक्षरित टीबी उन्मूलन का शपथ पत्र भेंट किया। विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस जन कल्याणकारी आंदोलन की सराहना की और रेड क्रॉस सभापति सुभाष गुप्ता, सुरेंद्र शर्मा और रोटरी के पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अशोक अग्रवाल की प्रशंसा करते हुए भविष्य में हर संभव सहयोग का आशवासन दिया।

स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर : विधायक के अतिरिक्त, रेड क्रॉस सभापति, डॉ. नेहा गोस्वामी, डॉ. अशोक कुमार और अशोक अग्रवाल ने भी रोगियों और उनके परिजनों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की सलाह दी। उन्होंने सभी को अपने परिवार के सदस्यों का भी स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रोत्साहन योजना : एक अहम घोषणा में, रेड क्रॉस और रोटरी ने यह ऐलान किया है कि गाज़ियाबाद में जो भी व्यक्ति नए टीबी रोगी को ढूंढने या इस कार्य में सहयोग करेगा, उसे प्रति रोगी 500 रुपए का पारितोषिक दिया जाएगा।

इस सेवा यज्ञ में सुरेंद्र शर्मा, एम. सी. गौड़, राकेश गुप्ता, जोगिंदर सिंह, विपिन अग्रवाल, एच. के. जोशी, हेमा भाटी, विनीता पाल, अनिता शर्मा, और मंजू राघव सहित स्वास्थ्य केंद्र के सभी सहयोगियों का भरपूर समर्थन मिला। कार्यक्रम का संचालन संजय यादव ने किया। यह भी उल्लेखनीय है कि उपस्थित सभी लोग रेड क्रॉस गाज़ियाबाद के आजीवन सदस्य हैं।

अखिल भारतीय व्यापारी लीडर्स सम्मेलन में गूँजा 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' का स्वर

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और संगठन मंत्री सुनील बंसल ने किया व्यापारियों को संबोधित

नई दिल्ली, करंट क्राइम। अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपद रोड पर मंगलवार को आयोजित अखिल भारतीय व्यापारी लीडर्स सम्मेलन में ह्लएक राष्ट्र, एक चुनावह्न विषय पर विचार-विमर्श हुआ। सम्मेलन में देशभर से आए व्यापारी नेताओं और प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव आवश्यक है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने वाला कदम बताया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुनील बंसल ने कहा कि बार-बार चुनाव होने पर करीब 5 लाख करोड़ रुपये का खर्च आता है, जिसे जनता के हित और देश के विकास कार्यों में लगाया जा सकता है। लगातार चुनाव होने से सरकारी व्यवस्था और कामकाज भी प्रभावित होता है, इसलिए सभी को एक राष्ट्र, एक चुनाव पर सहयोग करना चाहिए।

व्यापारियों का समर्थन : सम्मेलन में व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंघी और उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने भी व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना और मजबूत होगी। सम्मेलन में शामिल व्यापारी नेता : सम्मेलन में देशभर से प्रमुख व्यापारी नेता शामिल हुए। इनमें देवेंद्र हितकारी, अतुल जैन, अनुज मित्तल, राजू छाबड़ा, सुरेश महाजन, संजीव मित्तल साजु, महेश आहूजा, बालकिशन गुप्ता, पंडित अशोक भारती, प्रदीप चौधरी सहित अनेक व्यापारी लीडर्स मौजूद रहे।

अवैध कॉलोनी पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर, 25 बीघा जमीन खाली कराई गई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने ग्राम मटियाला में अवैध रूप से बन रही फ्रेंड्स कॉलोनी पर बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में करीब 25 बीघा जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया।

यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा 14 और 15 के तहत की गई। प्राधिकरण के दस्ते ने कॉलोनी की मुख्य आरसीसी सड़क, भूखंडों की बाउंड्रीवॉल और बिजली के खंभों को पूरी तरह से हटा दिया। कार्रवाई के दौरान अवैध कॉलोनाइजरों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस और प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया। प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 ने चेतावनी दी है कि बिना अनुमति के किसी भी अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा और अगले महीने भी ध्वस्तीकरण और सीलिंग का अभियान जारी रहेगा।

गाजियाबाद में हटाए गए कई विधानसभा प्रभारी

प्रभारी नामित होने की तैयारियां शुरु चुनावी रणनीति 2027 के तहत फैसला

गाजियाबाद, करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा संगठनात्मक कदम उठाते हुए यूपी के सभी जिलों और विधानसभा स्तर के प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी को देखते हुए संगठन को नई मजबूती देने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। जिसमें जल्द ही नए प्रभारियों की घोषणा की जाएगी। उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को बड़ा संगठनात्मक बदलाव करते हुए पूरे प्रदेश के जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में तैनात सभी प्रभारियों को उनके पद से हटा दिया है। पार्टी ने इस फैसले को तत्काल प्रभाव से लागू करने का आदेश जारी कर दिया। इस मामले में जिलाध्यक्ष्न सपा फैजल हुसैन का कहना है कि पूर्व में जो भी विधानसभा वार प्रभारी बनाए गए थे उनके द्वारा उनके दायित्व पूरे किए गए हैं। नई टीम व नए प्रभारी भी जल्द बनाएं जाएंगे।

सपा कर रही 2027 की तैयारी

करंट क्राइम : लखनऊ वाले आदेश के बाद गाजियाबाद सपा पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सपा अपने संगठन को नए सिरे से मजबूत करना चाहती है, इसी रणनीति के तहत यह बड़ा कदम उठाया गया है। बताया जा रहा है कि नए जिलों और विधानसभा प्रभारियों की सूची जल्द ही जारी कर दी जाएगी। इसको लेकर अन्दरखाने काम शुरू हो गया है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए नीरज चोपड़ा समेत लगभग 15 भारतीय दावेदार

नई दिल्ली। अगले महीने टोक्यो में होने वाली एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में लगभग 15 भारतीय खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है, जबकि हंगरी में 2023 विश्व चैंपियनशिप में देश के 28 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। बुडापेस्ट में 2023 में हुए विश्व चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में स्वर्ण जीता था। 28 अगस्त को भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन टीम चयन को लेकर बैठक करेगा।

देश के रिले दौड़ के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीद नहीं होने के कारण, विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने वाले भारतीयों की संख्या में कमी आई है। भारत ने 2023 में पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले के लिए सात धावक नामित किए थे और चौकड़ी ने तत्कालीन एशियाई रिकॉर्ड कायम किया था। इस चौकड़ी ने पांचवां स्थान हासिल किया था।

चोपड़ा के अलावा केवल पारुल चौधरी (महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज), गुलवीर सिंह (पुरुष 5,000 मीटर) और प्रवीण चित्रवेल (पुरुषों की त्रिकूद) ने स्वतः क्वालिफिकेशन मार्क पार किया है। क्वालिफिकेशन हासिल करने वाले अविनाश साबले चोट और उसके बाद की सर्जरी के कारण बाहर हो गए हैं। विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दावेदारी में शामिल भारतीय खिलाड़ियों में अन्नू रानी (महिला भाला फेंक), प्रियंका गोस्वामी (महिला 35 किमी रेस वॉक), अनिमेष कुजुर (पुरुष 200 मीटर), अब्दुल्ला अबूबकर (पुरुष त्रिकूद), सेर्विन सेबेस्टियन और अक्षदीप सिंह (दोनों पुरुष 20 किमी रेस वॉक), राम बाबू (पुरुष 35 किमी रेस वॉक), सचिन, यशवीर और रोहित (सभी पुरुष भाला फेंक) के नाम शामिल है।

भाला फेंक में तीन भारतीय ले सकते हैं हिस्सा

पिछले सत्र की तरह टोक्यो में भी पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में कम से कम तीन भारतीयों के प्रतिस्पर्धा करने की संभावना है। रविवार को चेन्नई में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले रोहित यादव अगर विश्व रैंकिंग कोटा में आगे बढ़ते हैं तो यह संख्या बढ़कर चार हो सकती है। चोपड़ा को गत चैंपियन होने के नाते वाइल्ड कार्ड मिल चुका है, रविवार को विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफिकेशन की अंतिम तिथि के अनुसार सचिन यादव और यशवीर सिंह 36 एथलीटों की सूची में हैं।

बाकी बची हुई जगहें विश्व रैंकिंग कोटा से

चोपड़ा ने 85.50 मीटर का स्वत: क्वालिफिकेशन मार्क भी पार कर लिया था। विश्व एथलेटिक्स की ह्यरोड टू टोक्योह्न सूची 27 अगस्त को आएगी, तब स्थिति और साफ हो जाएगी। विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पहले से निर्धारित संख्या को पूरा करने के बाद बाकी बची हुई जगहें विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दी जाएंगी।

कलेक्ट्रेट में आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की समीक्षा बैठक आयोजित

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : एडीएम एल/ए विवेक मिश्र

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में सोमवार को आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एडीएम एल/ए विवेक मिश्र ने जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। एडीएम विवेक मिश्र ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 'किसी भी दिन कोई भी सन्दर्भ डिफाल्टर श्रेणी में नहीं जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रतिदिन समय से संदर्भों की मार्किंग करें। यदि कोई शिकायत उस विभाग से संबंधित नहीं है तो उसे तत्काल आईजीआरएस सेल को सूचित करें।

प्रमुख निर्देश

- डिफाल्टर संदर्भों का निस्तारण नियत समय से 5 दिन पहले किया जाए।
- माह के अंतिम 5 दिनों में अभियान चलाकर लंबित शिकायतों का निस्तारण कराया जाए।
- असंतुष्ट फीडबैक या सी श्रेणी वाले मामलों में पुनः आख्या अपलोड न कर टीम भेजकर मौके पर शिकायतकर्ता की उपस्थिति में समाधान कराया जाए।
- आख्या अपलोड करते समय यह अवश्य दर्ज करें कि शिकायतकर्ता संतुष्ट हुआ या नहीं।
- निर्धारित प्रारूप पर आख्या दें और उस पर शिकायतकर्ता/गवाहों के हस्ताक्षर तथा मौके की फोटो अनिवार्य रूप से संलग्न करें।
- जाँच अधिकारी निस्तारण के समय स्थलीय निरीक्षण और शिकायतकर्ता से सीधा संपर्क करें।

शिकायत निस्तारण में पारदर्शिता पर जोर : एडीएम ने कहा कि हर शिकायत की निस्तारण आख्या में कार्यालय का नाम, सन्दर्भ संख्या, शिकायतकर्ता व जांच अधिकारी का विवरण, स्थलीय फोटो, गवाहों के नाम और की गई कार्यवाही का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। शिकायतकर्ता की संतुष्टि को सर्वोपरि रखा जाए और यदि शिकायतकर्ता असंतुष्ट है तो उसका कारण दर्ज किया जाए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और निर्देशों के पालन का आश्वासन दिया।

मोदीनगर में बिजली विभाग का ताबड़तोड़ एक्शन

25 के कनेक्शन काटे, 74 लोगों पर केस दर्ज

मोदीनगर करंट क्राइम। विद्युत विभाग ने रविवार को कलछीना में बिजली चोरों पर शिकंजा कसा। गांव में छापेमारी कर बिजली चोरी कर रहे 74 लोगों पर केस दर्ज कराया गया। साथ ही 25 बकायेदारों के कनेक्शन काटे। पांच के मीटर भी जब्त किए गए। विभाग की कार्रवाई से ग्रामीणों में बेचैनी है। कलछीना गांव में बड़े स्तर पर बिजली चोरी के मामले सामने आते हैं। आये दिन यहां बिजली विभाग कार्रवाई करता है फिर भी लोग बाज नहीं आते। रविवार को फिर से बिजली विभाग की टीम पुलिस बल के साथ गांव पहुंची।

टीम के आने की सूचना पर लोग दुकान व मकान से भाग निकले। टीम ने यहां 187 मकान में छापेमारी की। जिसमें 74 जगहों पर बिजली चोरी मिली। 20 ऐसे मकान थे, जिनपर एक लाख से अधिक बिल बकाया था। कुछ जगह स्टोर्ड रीडिंग भी सामने आई।

एक्सईएन मोदीनगर महेश उपाध्याय ने बताया कि कलछीना में बिजली चोरों पर शिकंजा कसा गया है। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। किसी सूरत में बिजली चोरी नहीं होने दी जाएगी।

बारिश में फाल्ट होने से अलग-अलग स्थान पर गुल हुई बिजली

उधर, मुरादनगर में फाल्ट होने के चलते नगर में अलग स्थान पर दो घंटे के लिए बिजली गुल रही। लोगों ने बिजली कटने के बारे में स्थानीय उपकेंद्र में शिकायत की। वर्षा के कारण मरम्मत के काम में बाधा पैदा हुई। शनिवार शाम को सात से आठ बजे के बीच हुई तेज वर्षा ने लोगों को गर्मी से राहत प्रदान की, लेकिन वर्षा के चलते हुई बिजली कटौती ने लोगों को परेशान भी किया।

शाम को सात बजे वर्षा शुरू होते ही परंपरानुसार बिजली काट दी गई। नौ बजे वर्षा बंद होने के बाद भी बिजली नहीं आई तो लोगों ने अपने स्थानीय उपकेंद्र पर पूछताछ की। बिजली कटौती का कारण वर्षा में हुए फाल्ट को बताया गया।इस दौरान पाइपलाइन मार्ग, गुडमंडी, व गंगा विहार में आठ बजे से दस बजे के बीच बिजली गुल रही। खंभों के आसपास पानी भरने के कारण मरम्मत के काम में बाधा पैदा हुई। अधिकारियों का कहना है वर्षा में फाल्ट होने से बिजली गुल हुई थी,जिसे बाद में बहाल कर दिया गया।

ये पुराने फ्लावर अब क्यों नहीं होते हैं अंधेरा होने पर हमलावर

एक दौर था जब बिजली ना आने पर फ्लावर पार्टी के लोग पूरे फायर हो जाते थे। कविनगर वाला बिजलीघर गवाह है जब विवेकानन्दनगर वाले देवतुल्य फ्लावर ने वहां जाकर तोड़फोड़ की थी। बिजली घर का कूलर पलटते उनका फोटो भी अखबार में आया था। एक गुर्जर देवतुल्य ने तो एसडीओ का माउथ ही ब्लैक कर दिया था और फिर डासना जेल गये थे। तब दौर और था और देवतुल्य के इस उत्कृष्ठ कार्य का ईनाम तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया था। जब उन्हें बेल मिली थी तो वेलकम करने माननीय जी गये थे। पुराने देवतुल्य अब उन पुराने दिनों को याद कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि ये फ्लावर अब क्यों हमलावर नहीं हो रहे हैं। अब वारंट का भी डर नहीं है और तारों में भी करंट नहीं है। फिर ऐसी क्या बात है कि अब वो डर रहे हैं। सीन इतना भी विचित्र है कि पहले जिसे वो अभिव्यक्ति की आजादी कहतेथे अब वो उसे राष्ट्रद्रोह बताते हैं। फूल वाले ने दबी जुबान से कहा कि भाईसाहब हम किसी गुमान में नहीं हैं और हम जानते हैं कि मिनट् से पहले मुकदमा दर्ज हो जायेगा और महीनों तक कोई हाल पूछने नहीं आयेगा।

शुक्र मनाओ वो थे वकील वरना हाथ वालों की कोई नहीं सुनता दलील

लस्सी वालों की दुकान के पीछे दीवार टूटी और दीवार टूटते ही 300 गज के प्लाट का सीन बाहर आ गया। जिन्होंने पुलिस को कॉल की, उन्हें पुलिस ने ही पहले तो ये समझाने की कोशिश की, कि ज्यादा नेतागिरी ठीक नहीं है। क्योंकि पुलिस को पता था कि ये कांग्रेस नेता के पुत्र हैं। लेकिन पुलिस ने गियर तब बदला जब उन्हें पता चला कि नेता जी के सुपुत्र अधिवक्ता भी हैं। अब यहां ज्यादा कुछ हुआ तो सीन दूसरा हो जायेगा। किस्से का जिक्र हाथ वालों में भी चला तो हाथ वाले नेता ने भी कह दिया कि शुक्र मनाओ कि वो दोनों वकील हैं। वरना पहली बात तो ये कि हाथ वालों में से कोई साथ नहीं देता और अगर कोई चल भी देता तो पुलिस एक भी दलील नहीं सुनती और जलील करती अलग से।

कौन से मंडल प्रधान उठा रहे हैं विधायक जी की वफादारी का कमंडल

कमल वालो के गढ़ में अजीब ही सीन चल रहा है। यहां जनता कमल वालो के साथ है और कमल वालों के यहां ये पता नहीं कि कौन किसके साथ है। फौज वालों को भी अगर ये इलम हो जाता कि यहां कोई किसी के साथ नहीं है तो उन पर वो जुल्म नहीं होता जो हो गया। फूल वाले कहते हैं कि संगठन सर्वोपरि है लेकिन मोहल्ले बता देंगे कि कौन सर्वोपरि है। देवतुल्य ने कहा कि बात जहां तक विश्वास की है तो वार्ड वालों से एक बार ऑफ द रिकार्ड पूछ लो तो अविश्वास पता चल जायेगा। बात आगे चली तो बूथ अध्यक्षों की जुबान पर मंडल वाले आ गये। उन्होंने कहा कि मंडल वाले जब विधायकों की वफादारी के कमंडल उठा रहे हैं तो फिर हम भला देवतुल्य इसका काम में क्यों पीछे रहे। उन्होंने बता भी दिया कि आने वाली पॉलिटिक्स के आका विधायक जी हैं ना कि कोई और है। और देवतुल्य ने जोर देकर कहा कि उस पार दस में से दस उनके हैं और इस पार दो तो बिल्कुल साथ लग कर चल रहे हैं। आपको नहीं लगता कि नई हवा की नई भाजपा में अब देवतुल्यों के भी दिल किसी के लिए पूरी तरह बदल रहे हैं।

राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ का विस्तार, अमरेश शर्मा बने यूपी प्रदेश अध्यक्ष

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नवयुग मार्केट के अन्नपूर्णा बैंकट हॉल में राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया, जिसमें संगठन के विस्तार की घोषणा की गई।

मुख्य घोषणाएँ और नियुक्तियाँ : पंडित अमरेश शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश नियुक्त किया गया है। राकेश शर्मा को महानगर अध्यक्ष, गाजियाबाद नियुक्त किया गया है।

संस्था के उद्देश्य और कार्य : राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आर.डी. शर्मा ने बताया कि संस्था केवल ब्राह्मण समाज के लिए ही नहीं, बल्कि सर्व समाज की भलाई के लिए भी कार्य करती है।

मुख्य कार्य: आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादियों में मदद करना। उच्च शिक्षा (हायर एजुकेशन) के लिए बेटियों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करना। महिलाओं के सम्मान और उत्थान के लिए विचार गोष्ठियाँ आयोजित करना। देश की उभरती हुई प्रतिभाओं को सम्मानित करना।

ब्राह्मण समाज और सामाजिक कार्य : राष्ट्रीय महासचिव पवन कुमार त्यागी ने जोर देकर कहा कि ब्राह्मण कोई जाति नहीं है, बल्कि संस्कार है। उन्होंने बताया कि सही मायने में ब्राह्मण वही होता है जो पूरी पृथ्वी को अपना परिवार मानता है और सर्व समाज के लोगों के सम्मान के लिए लड़ता है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंडित अमरेश शर्मा ने कहा कि वह संगठन को पूरे प्रदेश में मजबूत बनाने और गरीब, असहाय लोगों के कल्याण के लिए लगन से काम करेंगे। प्रेस वार्ता में कई अन्य सदस्य भी उपस्थित थे, जिन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित किया।

ठगों ने सुनार के खाते से 68 हजार रुपये निकाले

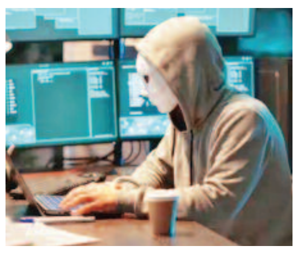

लोनी करंट क्राइम। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की राहत एनक्लेव कॉलोनी निवासी सुनार के खाते से ठगों ने चार दिन पहले करीब 68 हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित को सुबह फोन पर आए मैसेज से ठगी की जानकारी हुई। मामले की शिकायत साइबर सैल और बैंक के अधिकारियों से की है। राहत एनक्लेव कॉलोनी निवासी मो इरशाद की घर के पास सुनार की नसंबदी कॉलोनी में ज्वैलरी की दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त की रात तबीयत खराब होने पर वह पास के मेडिकल स्टोर से दवा लेकर आए थे। घर आने के बाद वह दवाई खाकर सो गए थे। अगले दिन सुबह उठने पर फोन पर आए मैसेज देखा।

फोन पर तीन बार में खाते से करीब 68 हजार रुपये कटने के मैसेज आए हुए थे। ठगों ने उनके खाते को खाली कर दिया था। उन्होंने मामले की शिकायत साइबर अपराध 1930 व बैंक अधिकारियों से की। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामले से साइबर सेल को अवगत कराया गया है। बैंक अधिकारियों से पत्राचार कर पीड़ित की हर संभव मदद की जाएगी।

आईजीआरएस रैंकिंग पर रहेगा फोकस

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम मे मीटिंगों का दौर खत्म नहीं हो रहा है। दो दिन की छुट्टी के बाद सप्ताह के पहले दिन ही जूम पर मीटिंग आयोजित की गई। इस मीटिंग में तमाम थानों के थ्री-स्टार, एसीपी और नंबर दो वाले अधिकारी से लेकर नंबर वन वाले साहब मौजूद रहे। सप्ताह के पहले ही दिन हुई इस मीटिंग कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए हैं। तो मामलों में मनमर्जी को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं। वहीं आईजीआरएस की रैंकिंग को लेकर भी पुलिस कमिश्नर द्वारा तीनों जोन के डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों को निर्देश दे दिया गया है। तो वहीं जूम मीटिंग के दौरान तीनों जोन के थाना प्रभारी और एसीपी स्तर के अधिकारियों को इस बात से अवगत करा दिया गया है कि आईजीआरएस की रैंकिंग जनसुनवाई को लेकर महत्वपूर्ण परिणाम देने होंगे। वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले साहब ने सड़क हादसों में जा रही पुलिसकर्मियों की जान को लेकर भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा है अपनी सुरक्षा के इंतजाम के साथ ही ड्यूटी करें। मुख्य सड़क से हटकर मौजूद हो, तो वहीं कई और बड़े दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

जिसका बाकायदा लंबा प्रेस नोट भी जारी किया गया है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते दो दिनों की छुट्टी के बाद सोमवार को पहले बैंक चेकिंग वाला अभियान और फिर मीटिंग वाला प्लान बता रहा है कि आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कुछ और महत्वपूर्ण कार्य देखने को मिलेंगे। तो वहीं जिस तरीके से लगातार मीटिंगों का दौर चल रहा है और इसकी मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए जा रहे हैं ,उसका सीधा मतलब है कि पुलिसिंग और व्यवस्था में सुधार बनाया जाएगा। कुल मिलाकर जिस तरीके से पुलिस कमिश्नर द्वारा दिशा निर्देश दिए गए हैं अगर उनके डीसीपी स्तर के अधिकारियों ने इसका नीचे पालन कराया तो कमिश्नरेट की न सिर्फ आईजीआरएस वाली रैंकिंग में सुधार देखने को मिलेगा, बल्कि जनता की ओर से भी बेहतर फीडबैक मिलेगा। वैसे भी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में फील्डबैक सेल का भी गइन किया गया था, वहीं से रीयल पुलिसिंग में नजर आना चाहिए। कुल मिलाकर पुलिस के सूत्र बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कई और महत्वपूर्ण अभियान और आयोजन किए जाने हैं।

वार्ड 74 के पार्षद नरेश भाटी ने सफाई कर्मचारियों को सिखाया सफाई का पाठ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सोमवार वसुंधरा के वार्ड 74 के पार्षद नरेश भाटी ने सफाई कर्मचारियों को सफाई का पाठ सिखाया। मामल उस समय का है जब वार्ड 74 के सेक्टर 15 व 17 की सड़क पर नगर निगम कर्मचारी सफाई कर रहे थे।

पार्षद नरेश भाटी ने सभी कर्मचारियों को एकत्रित कर कहा कि रोज इसी सड़क पर आप लोग सफाई करते हैं फिर गंदगी कैसे रह जाती है। उन्होंने झाड़ू लेकर खुद सफाई करके बताया और कहा इस तरह सफाई करो जिससे गंदगी ना रहे। वहीं सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता के महत्व और तरीकों के बारे में शिक्षा दी। उन्होंने इस बात की सीख दी कि कैसे प्रभावी ढंग से सफाई की जानी चाहिए। यह एक प्रकार का प्रशिक्षण सत्र या जागरूकता कार्यक्रम हो सकता है जहाँ पार्षद कर्मचारियों को बेहतर स्वच्छता प्रथाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

यह घटना आम तौर पर स्वच्छता अभियान, सफाई कार्यक्रमों या पार्षद द्वारा आयोजित बैठकों में हो सकती है जहाँ वे कर्मचारियों को बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया।

गाजियाबाद में बाइक सवार युवक का खतरनाक स्टंट वायरल, नंबर प्लेट भी नहीं थी बाइक पर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर खतरनाक स्टंट करता हुआ दिखाई दे रहा है। युवक बार-बार बैलेंस बिगाड़ते हुए तेज रफ्तार में स्टंट करता नजर आता है, जिससे सड़क पर अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ती दिख रही है।

स्थानीय लोगों ने इसे आम जनता की सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। इस तरह के स्टंट ट्रैफिक नियमों की न सिर्फ अनदेखी करते हैं, बल्कि दूसरों की जिंदगी भी जोखिम में डालते हैं। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है और युवक की पहचान कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। फिलहाल वीडियो की जांच जारी है और युवक की तलाश की जा रही है।

सुन्दरदीप इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों का 'दीक्षारंभ 2025' आयोजित

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। सुन्दर दीप इंजीनियरिंग कॉलेज, गाज़ियाबाद में नए बी.टेक और एम.बी.ए. छात्रों के स्वागत हेतु भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम 'दीक्षारंभ 2025' का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया।ओरेकल के सीनियर डायरेक्टर नीरज नारंग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। निदेशक डॉ. मोनिका सेंगर ने स्वागत भाषण दिया।

सुन्दर दीप एजुकेशनल सोसायटी के चेयरमैन एवं एसजीयू के कुलाधिपति महेन्द्र अग्रवाल, एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के उपकुलाधिपति नितिन अग्रवाल और सुन्दर दीप एजुकेशनल सोसायटी के उपाध्यक्ष अखिल अग्रवाल ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति प्रो. डॉ. प्रसेनजीत कुमार ने नए छात्रों को सुन्दर दीप इंजीनियरिंग कॉलेज की अकादमिक परंपरा और उपलब्धियों से परिचित कराया। रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रतन और उप निदेशक डॉ. दीपा कंवर ने भविष्य निर्माण के महत्व पर विचार साझा किए। परीक्षा योजना और मूल्यांकन पद्धति पर जानकारी प्रशांत तोमर ने दी। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डिपार्टमेंट के निदेशक बृजेन्द्र सिंह ने छात्रों को करियर गाइडेंस और संस्थान में उपलब्ध विभिन्न सहयोग प्रणालियों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम का समापन एमबीए विभाग की अध्यक्ष डॉ. रश्मि चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों और आयोजक समितियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी विभागों के डायरेक्टर डॉ. दीपा कंवर, डॉ मोनिका सेंगर, डॉ अवधेश प्रताप, डॉ. हरवीर, डॉ. शालिनी शर्मा, डॉ अंजलि कावत्रा, डॉ. कोकिला, डॉ ज्योति चौधरी, डॉ. हेमंत की भी उपस्थिति रही।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

Satendra Shishodia · Follow
24m ·

बेटे Vartul Shishodia को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रभु श्रीराम जी से प्रार्थना है कि आप दीर्घायु हों और सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया के पुत्र वर्तुल सिसोदिया के जन्मदिन पर पिता के आशीर्वाद सोशल मीडिया पर शब्दों के रूप में आए। क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने अपने पुत्र वर्तुल को जन्मदिन की बधाई दी और प्रभु श्री राम से पुत्र के उत्तम स्वास्थ्य लंबी आयु और सदैव प्रसन्न रहने की कामना की। एक पिता के रूप में पुत्र के जन्मदिन पर शब्दों को अभिव्यक्त करती यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

गाजा में अस्पताल पर हमले में चार पत्रकारों की मौत, जंग शुरू होने से अब 192 ने गंवाई जान

दक्षिणी गाजा के नासर अस्पताल पर हुए इस्राइली हमले में सोमवार को कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें चार पत्रकार भी शामिल हैं। इन हमलों में मरने वालों में एक समाचार एजेंसी की फ्रीलांसर पत्रकार मरियम डग्गा भी थीं, जो गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से एपी और अन्य मीडिया संस्थानों के लिए रिपोर्टिंग कर रही थीं

दीर अल बलाह । मरियम डग्गा हाल ही में नासर अस्पताल के डॉक्टरों की उस जद्दोजहद पर रिपोर्ट कर रही थीं, जहां स्वस्थ बच्चों को भूख और कुपोषण के कारण मौत से जूझते देखा गया।

अल-जजीरा और रॉयटर्स के भी पत्रकार हुए घायल वहीं अल-जजीरा ने पुष्टि की है कि उनके भी एक पत्रकार मोहम्मद सलाम भी इस हमले में मारे गए हैं। वहीं, रॉयटर्स ने बताया कि उसका कॉन्ट्रैक्टर कैमरामैन हुस्साम अल-मसरी भी मारा गया, जबकि उसका फोटोग्राफर हातेम खालिद घायल हो गया।

22 महीने के जंग में कुल 192 पत्रकारों की मौत कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) के अनुसार, पिछले 22 महीनों में गाजा में अब तक 192 पत्रकारों की मौत हो चुकी है। इसके मुकाबले रूस-यूक्रेन युद्ध में अब तक 18 पत्रकारों की मौत हुई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय और सेना ने इस घटना पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय के रिकॉर्ड विभाग के प्रमुख जहीर अल-वहीदी के अनुसार, नासिर अस्पताल पर हुए हमले में कुल 19 लोग मारे गए। इस्राइल ने युद्ध की कवरेज पर लगाई है रोक दरअसल, इस्राइल ने गाजा में अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को युद्ध की कवरेज करने से रोक दिया है। इसके बजाय, समाचार संगठन दुनिया को वहां क्या हो रहा है, यह दिखाने के लिए गाजा में मौजूद फलस्तीनी पत्रकारों और निवासियों पर ज्यादा निर्भर रहते हैं। इस्राइल अक्सर फलस्तीनी पत्रकारों की संबद्धता और पूर्वाग्रहों पर सवाल उठाता है, लेकिन दूसरों को आने की अनुमति नहीं देता।

खामनेई ने अमेरिका पर साधा निशाना

कहा- ईरान को आज्ञाकारी बनाना चाहता है

तेहरान । ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैयद अली खामेनेई ने रविवार को अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने कहा, अमेरिका तेहरान को आज्ञाकारी बनाना चाहता है, लेकिन हम इस घोर अपमान के खिलाफ डटकर खड़े रहेंगे।

झूठी उम्मीदें पालने वालों के खिलाफ पूरी ताकत से खड़ी रहेगी जनता आठवें शिया इमाम, इमाम रजा की शहादत की बरसी पर खामनेई ने कहा, ईरान बहुत आहत है। अमेरिका चाहता है कि ईरान उसका आज्ञाकारी बनकर रहे। ईरानी राष्ट्र इस बड़े अपमान से बहुत आहत है और हमारी जनता, ऐसी झूठी उम्मीदें पालने वालों के खिलाफ पूरी ताकत से खड़ी रहेगी। खामनेई ने कहा, ईरान के प्रति अमेरिका की शत्रुता कोई नई बात नहीं है, क्योंकि आईआरएनए के अनुसार, 1979 में इस्लामी क्रांति के बाद से ही विभिन्न अमेरिकी प्रशासनों ने इस्लामी गणराज्य और ईरानी जनता के प्रति शत्रुता, प्रतिबंधों और धमकियों का अपना रुख लगातार बनाए रखा है। 'अमेरिका से बातचीत की वकालत करने वाले उथली सोच के लोग' अमेरिका से बातचीत की वकालत करने वालों की आलोचना करते हुए खामनेई ने उन्हें उथली सोच वाला करार दिया। खामनेई ने कहा, पहले इस शत्रुता के कारणों को अक्सर आतंकवाद, मानवाधिकार, महिला मुद्दों और लोकतंत्र जैसे विभिन्न बहानों के तहत छिपाया जाता था। वर्तमान अमेरिकी प्रशासन ने अपना असली उद्देश्य स्पष्ट कर दिया है। उसने कहा है कि ईरान का उसका विरोध इस इच्छा से उत्पन्न हुआ है कि ईरान अमेरिकी मांगों का पालन नहीं करता।

दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय के कोलंबिया परिसर में घुसा शूटर, आसपास भारी पुलिस बल तैनात

वॉशिंगटन । दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय के कोलंबिया परिसर के थॉमस कूपर लाइब्रेरी में एक शूटर घुसने की खबर है। रविवार दोपहर (स्थानीय समयानुसार) को विश्वविद्यालय ने एक अलर्ट जारी कर इसकी सूचना दी। सूचना के बाद परिसर के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। लेकिन स्कूल के अधिकारियों ने कहा कि शूटर का कोई सबूत नहीं मिला है, लेकिन तलाश जारी है। विश्वविद्यालय ने स्थानीय समयानुसार शाम 6:40 बजे सार्वजनिक सूचना प्रणाली के जरिये परिसर में बंदूकधारी के घुसने का संदेश छात्रों और स्टाफ तक पहुंचाया। साथ ही इलाके को खाली करने, आश्रय लेने और जरूरत पड़ने पर खुद को सुरक्षित रखने का आदेश दिया गया।

छह फीट लंबा बताया जा रहा शूटर अलर्ट में एक संदिग्ध बंदूकधारी के बारे में बताया गया है कि वह लगभग 6 फीट लंबा, गोरा आदमी है और काली पैंट पहने हुए है। अभी भी वह इलाके में मौजूद है। इसमें कहा गया है कि 'अगर आपका सामना किसी संदिग्ध से हो, तो अपना बचाव करें। जन सुरक्षा अधिकारियों के आदेशों का पालन करें।' फिलहाल सुरक्षित स्थान पर रहने का निर्देश अलर्ट में गोलीबारी की पुष्टि नहीं की गई है। इसके बाद एक और अलर्ट जारी किया गया, जिसमें कहा गया है कि इस समय किसी सक्रिय शूटर का कोई सबूत नहीं है। पुलिस इमारतों की तलाशी ले रही है। फिलहाल तब तक सुरक्षित स्थान पर रहें, जब तक कि सब कुछ साफ न हो जाए। कोलंबिया परिसर में पढ़ते हैं 38000 छात्र दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय का कोलंबिया परिसर कोलंबिया शहर में कोंगारी नदी के ठीक दक्षिण में स्थित है।

खाने का सामान लेने जा रहे चार फलस्तीनी इस्राइली गोलीबारी में ढेर, भूख और गोलीबारी से हालात बदतर

गाजा पट्टी एक बार फिर खून से लाल हो गई जब रविवार को इस्राइली सेना ने गाजा सिटी के दक्षिण में स्थित नेत्जारिम कॉरिडोर क्षेत्र में भीड़ पर गोलीबारी कर दी। अस्पताल और चश्मदीदों के अनुसार, इस हमले में चार फलस्तीनी मारे गए जो खाने का सामान लेने जा रहे थे। यह इलाका अक्सर लोगों के लिए खाद्य वितरण केंद्र तक पहुंचने का मार्ग होता है। इस घटना के बाद स्थानीय अस्पताल अल-अवदा और गवाहों ने कहा कि सेना ने बिना किसी भेदभाव के भीड़ पर गोलियां चलाईं।

गाजा पट्टी । गाजा सिटी बीते 22 महीनों से जारी युद्ध की वजह से अकाल झेल रही है। इस्राइल के रक्षा मंत्री ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में पूरा शहर नष्ट हो सकता है। इस बीच, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि भूख और कुपोषण से रविवार को आठ और लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। अब तक कुपोषण से मरने वालों की संख्या 289 हो गई है, जिनमें 115 बच्चे हैं। हजारों लोग हर दिन सिर्फ आटे का बोरा या खाने की थोड़ी-बहुत चीजें पाने के लिए जान जोखिम में डालकर निकलते हैं।

मौतों का बढ़ता आंकड़ा और अंतरराष्ट्रीय चेतावनी गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि अब तक युद्ध में 62,686 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाएं और बच्चे हैं। मंत्रालय का यह भी कहना है कि 2,000 से अधिक लोग केवल भोजन और राहत लेने के दौरान मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र और स्वतंत्र विशेषज्ञ इस मंत्रालय के आंकड़ों को सबसे विश्वसनीय मानते हैं, हालांकि इस्राइल इन आंकड़ों पर सवाल उठाता है और अपने आंकड़े नहीं देता। दुनिया की खाद्य संकट पर नजर रखने वाली शीर्ष संस्था इंटीग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज क्लासिफिकेशन ने चेतावनी दी है कि गाजा सिटी में अकाल फैल चुका है और अगले महीने तक यह संकट और दक्षिणी इलाकों में भी फैल सकता है। बमबारी और तबाही से दहशत गाजा सिटी के पास जबालिया शरणार्थी कैंप में लोगों ने बताया कि लगातार धमाके हो रहे हैं। इस्राइली सेना ने हाल ही में यहां अभियान तेज करने और हजारों रिजर्व सैनिक भेजने की घोषणा की थी।

महिलाओं को बचाने गया अमेरिकी युवक पर चाकू से हमला, आरोपी फरार पुलिस ने एक को धर दबोचा

जर्मनी के ड्रेसडेन शहर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक 21 वर्षीय अमेरिकी युवक को उस समय चाकू से हमला किया गया, जब वह ट्रेन में दो महिलाओं को परेशान कर रहे दो लोगों को रोकने की कोशिश कर रहा था

बर्लिन । यह घटना 24 अगस्त को हुई, जिसकी पुष्टि जर्मन पुलिस ने की है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो ये घटना तब की है जब अमेरिकी युवक ने देखा कि दो लोग महिला यात्रियों को परेशान कर रहे हैं। इसके बाद उसने हस्तक्षेप किया, तो उन दोनों में से एक ने चाकू से उसके चेहरे पर कई वार किए। इसके बाद आरोपी भाग गए। पुलिस ने इनमें से एक आरोपी को पकड़ लिया है, जो 21 साल का सीरियाई नागरिक है। दूसरे आरोपी की पहचान अभी नहीं हो पाई है और वह फरार है। अमेरिकी युवक की पहचान हालांकि अधिकारियों ने अभी तक घायल युवक का नाम आधिकारिक रूप से नहीं बताया है, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और एक पत्रकार के पोस्ट के अनुसार, युवक का नाम जॉन रुडैट है। रुडैट ने खुद भी एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्हें 'हीरो' कहा गया था। उन्होंने सभी का धन्यवद भी किया है। वहीं अब बात हमले में घायल युवक की करें तो जॉन रुडैट एक पैरामेडिक (एम्बुलेंस स्वास्थ्यकर्मी) और मॉडल हैं। उनका संबंध अल्बानी, न्यूयॉर्क (अमेरिका) से है। वह टेलर केल्सॉ मैनेजमेंट नामक मॉडलिंग एजेंसी से जुड़े हुए हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उन्होंने 17 साल की उम्र में जर्मनी आकर ड्रेसडेन में एक साल अपने जर्मन पिता के साथ बिताया था। इस दौरान उन्होंने पूर्वी जर्मनी में एमएमए फाइट्स लड़ीं औरड्रेसडेन सिटी फायर ब्रिगेड के साथ भी काम किया। वह 10 साल से जुडो, तलवारबाजी, और 5 साल तक बुशिडो की ट्रेनिंग भी कर चुके हैं। साथ ही वह कलाकार भी हैं और दुनिया भर के शैमनों के लिए नकाब बनाते हैं।

पुलिस प्रवक्ता थॉमस गीथनर ने बताया कि रुडैट को चेहरे पर कई जगह चोट आई है लेकिन उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस्राइल का गाजा पर बड़ा हमला, 15 की मौत

गाजा पट्टी । गाजा पट्टी और लेबनान से जुड़ी घटनाओं ने पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ा दिया है। दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े नासिर अस्पताल पर इस्राइल ने हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। दूसरी ओर, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया है कि अगर हिजबुल्ला को निशस्त्र किया गया तो इस्राइल लेबनान से अपनी सेना हटा सकता है।

गाजा के खान यूनिस इलाके में स्थित नासिर अस्पताल को सोमवार को निशाना बनाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अस्पताल की चौथी मंजिल पर दो मिसाइलें दागी गईं। पहला हमला सीधे मंजिल पर हुआ और दूसरा कुछ देर बाद तब किया गया जब राहतकर्मी मौके पर पहुंचे थे। इसे 'डबल-टैप स्ट्राइक' कहा गया। इस हमले में कम से कम 15 लोगों की जान गई, जिसमें कई पत्रकार भी शामिल हैं। लंबे समय से जूझ रहा नासिर अस्पताल नासिर अस्पताल दक्षिणी गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल है। यह लगातार 22 महीनों से चल रहे युद्ध के बीच कई हमलों और छापों को झेल चुका है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि दवाओं और स्टाफ की भारी कमी के बावजूद यह अब भी मरीजों की सेवा कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि हालात इतने बिगड़े हुए हैं कि बुनियादी चिकित्सा सेवाओं को भी संभालना मुश्किल हो रहा है। लेबनान पर इस्राइल का रुख इसी बीच, इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने लेबनानी कैबिनेट के हालिया फैसले का स्वागत किया जिसमें हिजबुल्ला को 2025 के अंत तक निशस्त्र करने का प्रस्ताव है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर लेबनान इस दिशा में ठोस कदम उठाता है तो इस्राइल अपनी सेना को चरणबद्ध तरीके से दक्षिणी लेबनान से हटा सकता है।

ब्रिटेन अदालत के एक आदेश के बाद ब्रिटेन में भी अप्रवासियों के मुद्दे पर हंगामा, समर्थक और विरोधी भिड़े

ब्रिटेन में अदालत के एक आदेश से अप्रवासियों के मुद्दे पर हंगामा हो गया है। दरअसल अदालत ने लंदन उपनगर के एक होटल से शरणार्थियों को निकालने का आदेश दिया है। इस फैसले का विरोध शुरू हो गया तो कई लोग इसके समर्थन में आ गए। इससे हंगामा हो गया है और पुलिस को दोनों पक्षों को नियंत्रित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

लंदन । अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी अब अप्रवासियों का मुद्दा राजनीतिक टकराव की वजह बन रहा है। युद्धग्रस्त और गरीब देशों से भारी संख्या में ब्रिटेन में शरणार्थी पहुंच रहे हैं। इंग्लिश चैनल के जरिए अवैध नौकाओं में सवार होकर शरणार्थी ब्रिटेन पहुंच रहे हैं। साथ ही इन शरणार्थियों को सरकारी खर्च पर ठहराने के मुद्दे पर भी तनाव बढ़ रहा है। ब्रिटेन में सरकार शरणार्थियों की अपील पर फैसला होने तक उन्हें अपने खर्च पर ब्रिटेन में ठहराती है, इसके लिए अक्सर होटल्स में शरणार्थियों को ठहराया जाता है। शरण मांगने वालों की बढ़ती संख्या के चलते अब ब्रिटेन की सरकार पर दबाव पड़ रहा है, साथ ही शरणार्थियों का ब्रिटेन में विरोध भी शुरू हो गया है।

मामले पर हुआ ताजा विवाद

हालात से निपटने के लिए ब्रिटेन की सरकार ने शरणार्थियों की अपील पर सुनवाई तेज करने का फैसला किया है, ताकि सरकारी खर्च पर ब्रिटेन में रह रहे लोगों को वापस भेजा जा सके। इसके लिए बैकलॉग को भी खत्म किया जा रहा है। ताजा विवाद उस वक्त भड़का, जब एक होटल में रह रहे शरणार्थी ने 14 साल की बच्ची को जबरन किस करने की कोशिश की। आरोपी पर यौन शोषण का आरोप लगा है। हालांकि आरोपी ने इससे इनकार किया है। जल्द ही इस मामले में सुनवाई शुरू होगी। वहीं शरणार्थियों को होटलों के बाहर अब शरणार्थी समर्थक और इनके विरोधी प्रदर्शन कर रहे हैं।

सिंधु जल समझौते के तहत भारत ने पाकिस्तान को अब भी बाढ़ की चेतावनी दी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी के कुछ मीडिया चैनल्स ने दावा किया है कि भारत ने अभी भी सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान को संभावित बाढ़ के लिए अलर्ट किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को 24 अगस्त को जम्मू की तवी नदी में भारी बाढ़ की चेतावनी जारी की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्लामाबाद में स्थित भारतीय उच्चायुक्त ने यह जानकारी पाकिस्तानी सरकार को दी थी।

गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पड़ोसी देशों में छिपे आतंकियों को निशाना बनाया। पहलगाम हमले के बाद ही भारत ने सिंधु जल समझौते को तोड़ दिया था। अब अगर मीडिया रिपोर्ट्स की मानें कि भारत ने पाकिस्तान को बाढ़ की चेतावनी दी तो यह पहली बार होगा, जब दोनों पक्षों के बीच संपर्क हुआ है।

भारत ने स्थगित किया था सिंधु जल समझौता

सिंधु जल समझौते के तहत उस पानी का प्रबंधन किया जाता है, जो भारत के ऊपरी इलाकों से बहकर पाकिस्तान के सिंधु बेसिन में पहुंचता है। संधि के तहत तीन पूर्वी नदियों सतलुज, ब्यास और रावी के पानी पर भारत का हक है और तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चेनाब पर पाकिस्तान का हक है। भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता होने के बाद से तीन युद्ध और कई बार कूटनीतिक संकट गहरा चुका है, लेकिन सिंधु जल समझौता जारी रहा, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले से भारत का सब्र टूट गया और भारत सरकार ने सिंधु जल समझौता स्थगित करने का एलान कर दिया।

हालांकि सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के बाद से पाकिस्तान की तरफ से लगातार युद्ध की धमकियां दी जा रही हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सिंधु जल समझौता स्थगित करने के एलान के बाद से भारत के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी कर चुके हैं।

सम्मान के साथ ससुराल जाने के लिए आमरण अनशन कर रही राखी पहलवान की तबीयत बिगडी, चौथे दिन भी जारी है अनशन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अपने ससुराल जाने की मांग और नारी स्वाभिमान और सुरक्षा को लेकर पिछले चार दिनों से आमरण अनशन कर रही राखी पहलवान की तबीयत बिगडने लगी है। राखी पहलवान की ब्लड प्रेशर में गिरावट आने लगी है। साथ ही, शरीर कमजोर पडने लगा है। ससुराल से जबरन निकाले जाने पर राखी पहलवान कलेक्ट्रेट के सामने आमरण अनशन कर रही है। राखी का कहना है कि पिछले चार दिनों के दौरान प्रशासन या पुलिस का कोई भी बडा अधिकारी उनसे मिलने या उनकी मांगों को सुनने के लिए नहीं पहुंचा है।

करंट क्राइम से बातचीत में राखी ने कहा कि वह अपनी ससुराल जाना चाहती है। पति को तलाक नहीं देना चाहती है। लेकिन इसके लिए पति को उनसे बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पति को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। जूडो में प्रदेश के लिए 12 से ज्यादा पदक हासिल कर चुकी राखी पहलवान के आमरण अनशन को देखते हुए स्थानीय लोग और संगठन उनके समर्थन में जुट रहे हैं। राखी ने अपने ससुराल वालों पर बिना किसी कारण के उन्हें घर से निकालने और उनके सम्मान व मेहनत का अपमान करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस और प्रशासन ने उनकी मदद करने के बजाय उन्हें और उनके बुजुर्ग माता-पिता को धमकियां दी जा रही है। पुलिस ने ससुराल के सामने धरने से उन्हें जबरन उठा दिया।

राखी पहलवान ने घोषणा की है कि जब तक उन्हें और उनके जैसी अन्य महिलाओं को पूर्ण न्याय नहीं मिलता, वे अनिश्चितकालीन धरना और आमरण अनशन जारी रखेंगी।

उन्होंने कहा कि यह अनशन मेरे लिए नहीं, बल्कि उन तमाम बहन-बेटियों के लिए है जो अपने हक के लिए लड़ रही हैं। राखी पहलवान की शादी 9 जुलाई 2024 को गाजियाबाद के अर्वंतिका कॉलोनी निवासी भुवनेश कुमार से हुई थी।

मूलरूप से खेकडा बागपत की रहने वाली राखी की शाद के बाद ससुराल वालों का व्यवहार बदल गया। उनके पति, जो मुंबई में नौकरी करते हैं, ने उन्हें धोखा देकर विदेश चले गए और उनके नंबर ब्लॉक कर दिए। ससुर, जो उत्तर प्रदेश पुलिस में दारोगा हैं, ने भी उनके साथ बुरा व्यवहार किया। राखी का कहना है कि ससुराल वालों ने उन्हें तलाक के लिए दबाव बनाया, लेकिन वे तलाक नहीं चाहतीं, बल्कि अपने ससुराल में सम्मान के साथ रहना चाहती है।

हैदराबाद : रजत जयंती समारोह में शामिल हुए नवनीतप्रिय दास और वीरेंद्र सारस्वत

लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, करंट क्राइम। श्री अक्रूर जी वेलफेयर एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा आयोजित 25वें रजत जयंती समारोह में संस्कार उपवन के संस्थापक नवनीतप्रिय दास और सहकारी क्रय विक्रय समिति के चेयरमैन वीरेंद्र सारस्वत ने अति विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह के दौरान दोनों अतिथियों ने संगठन की उपलब्धियों की सराहना की और इसे समाज सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर नवनीतप्रिय दास और वीरेंद्र सारस्वत ने हैदराबाद स्थित अपने कार्यालय में लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय से शिष्टाचार भेंट भी की।

मुलाकात के दौरान सामाजिक कार्यों और राष्ट्रीय सेवा में सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आजकल कुछ ज्यादा ही पोजिटिव चल रही है नदिया पार के किंग कुमार मिस्टर भाटी की जुबान? जब भी जिक्र चलता है तो वहां पर वो संगठन सर्वोपरि वाला देने लगते हैं पैगाम? पार्षदों के ग्रुप पर चल रही थी कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर बात? यहां पर कुछ ऐसी ही उठाई भाटी जी ने आवाज? कहा हमें करना होगा हर उस नाम को स्वीकार? जिस पर पार्टी की मुहर लगेगी और वो आयेगा बाहर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि किंग कुमार भाटी जी से बहुत ही विपरीत दिख रही थी मैम्बर ठाकुर की राय? उनके कुछ अलग ही तरह के अल्फाज ग्रुप पर आये? उन्होंने कहा हम मानते हैं कि संगठन रहना चाहिए सर्वोपरि? मगर तब क्या हो जब संगठन वाले ही बना रहे हों मिक्स वाली करी? हम देख रहे हैं संगठन वाले हम जैसे पार्षदों को नहीं दे रहे हैं भाव? हम ही टारगेट पर चल रहे हैं, क्या लड़ पायेंगे इन स्थितियों में कार्यकारिणी का चुनाव?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि पार्षदों के ग्रुप पर उस चेहरे ने भी तोड़ी इन चर्चाओं पर चुप्पी? हमने देखा इस बार नहीं खेली बजरंगी भैया मिस्टर डागर ने लुका-छुपी? उन्होंने भी किंग कुमार भाटी की आवाज में मिलाई आवाज? नहीं दिया उन्होंने पूरी राय से यहां पर ठाकुर चेहरे का साथ? कहा हम जो कुछ हैं वो है संगठन की देन? नहीं तो हमें इस तरह नहीं कोई पूछता? फिर ठाकुर मैम्बर ने यहां पर अपनी राय दी? कहा आप सबकुछ जानते हुए ऐसा कह रहे हो? क्या आपको हकीकत में है कोई पूछता?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जल्द ही बाहर आने वाली है एक पूर्व मेयर की तड़कती-भड़कती आवाज? सुना है पूर्व मेयर चल रहे हैं इस वक्त एक विधायक से नाराज? उनकी क्रान्ति को देखकर नहीं पड़ रही है पूर्व वालों के दिल में शांति? वो कह रहे हैं मौजूदा घटनाओं ने अस्सी और नब्बे के दौर की दिला दी है याद? तब बड़ा शिथिल रहता था गाजियाबाद? मैं इस मुद्दे पर नहीं रह सकता मौन? कृपया अब जो भी मुझसे बात करे, वो कर ले अपनी माईक वाली आईडी ऑन?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब चल रहे थे कार्यकारिणी को लेकर पार्षदों के ग्रुप पर शब्दों के तीर? यहां पर हमें नहीं दिखाई दिया क्रान्तिकारी त्यागी जी के अंदर का वीर? उन्होंने भी मिला दी किंग भाटी और बजरंगी भैया की आवाज में आवाज? कहा संगठन जो भी फैसला लेगा, हम हैं उसके साथ? कहने वाले ने कहा ऐसा लग रहा है कि जैसे दोनों खेमे के पार्षदों को उनके प्रिय विधायकों ने संदेश दे दिया हो? इस वाले मैटर में नहीं दिखानी है उठा-पटक बेहिसाब?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हर किसी की राजनीति का होता है अपनी तरह का स्टाईल? सुना है भगवागढ़ के एक नेता की इसी अदा ने उड़ाई हुई है कईयों की स्माईल? पता चला है वो चार पेड वर्कर लेकर चलते हैं अपने साथ? भौकाल का भौकाल बनता है और आसान भी हो जाते हैं पार्टी के काज? सुना है उनकी इस अदा से हो रही है कई दिलजलों को जलन? क्या करें साहब ये न्यू वाला कमल है? यहां दिखाई दे रहा है आजकल नया-नया सा चलन?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जहां भी आता है गर्ग साहब का नाम? वहां पर नदिया पार के पहलवान में दिखाई देता है गजब का जोश? हमने देखा सांसद जी के बर्थडे को लेकर नहीं दिख रहे थे वो खामोश? लगातार वो उनके जन्मदिन पर पहुंचने की पोस्ट कर रहे थे शेयर? टाईम उन्होंने बाद में डाला? मगर स्थान क्या होगा, इस बारे में नहीं किया कुछ भी क्लियर? कहने वाले ने कहा गर्ग साहब को उनकी इस अदा को देनी चाहिए लिफ्ट? अपने प्यारे पहलवान को इस बार जरूर दें वो कोई रिटर्न में गिफ्ट?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमने देखा जैसे ही आपने डाला मोहल्लों के हाल जानने का फेसबुक पर सवाल? उस पर आ गई सवालों की बौछार? हम देख रहे थे यहां पर समस्या के साथ कसने वाले कस रहे थे अपने स्टाईल से तंज? मगर जब हमने धुर विरोधी की पोस्ट पर क्रान्तिकारी त्यागी जी का लाईक देखा? तो हो गये हम बहुत ज्यादा दंगा? खुद विरोधी भी त्यागी जी के लाईक को देखकर था हैरान? सिद्ध कर दिया त्यागी जी ने जब हो सिर पर बड़ी जिम्मेदारियां? तब हर बात पर क्रान्ति नहीं की जाती है श्रीमान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैंने जब दिया पार्षदों के ग्रुप पर चल रहे कमेंट पर ध्यान? तब मैंने देखा भगवा पार्षदों ने इस ग्रुप में विपक्ष के एक पूर्व पार्षद को भी दिया हुआ है स्थान? ये वो पूर्व पार्षद हैं जो करके रखते हैं निगम वालों की नींद हराम? घुटने से पयजामा ऊपर मोड़ कर खड़े हो जाते हैं, जब होता है जल भराव और आता है आंधी और तूफान? लगता है भगवा पार्षदों की दबी आवाज को बाहर लाने का यही पूर्व वाले करते हैं काम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा मैम्बर त्यागी जी ने प्रचार का निकाला है गजब का स्टाईल? जैसे हींग लगे ना फिटकरी और रंग भी हो जाये चौखा? कुछ ऐसी तैयार की है उन्होंने पीज्जा वाले के साथ अपनी तैयार फाईल? हम देख रहे हैं पिज्जा वाला क्षेत्र में धड़ाधड़ कर रहा है अपना प्रचार? पार्षद जी के फोटो लगाकर वो दे रहा है अपने अभियान में धार? अब इस प्रचार के पीछे कौन सा हुआ है समझौता साईन? ये तो ये दोनों ही बता सकते हैं? बाकी ये स्टाईल हमको लगा बहुत ही फाईन?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

सड़क हादसे में संसद भवन में तैनात सीआईएसएफ जवान की मौत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में रविवार को हुए सड़क हादसे में सीआईएसएफ की 5वीं बटालियन के जवान सुशील कुमार (37 वर्ष) की मौत हो गई। वह संसद भवन में तैनात थे और गौतमबुद्धनगर के जेवर के चिरौली गांव के निवासी थे।

जानकारी के अनुसार, सुशील कुमार ड्यूटी पर जाने के लिए सीआईएसएफ कट के पास रुके थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम के बाद शव को सीआईएसएफ कैंप लाया गया, जहां साथी जवानों ने श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पार्थिव शरीर को राजकीय सम्मान के साथ परिजनों को सौंप दिया गया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि वाहन और उसके चालक की पहचान हो सके। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विधायक संजीव शर्मा की पहल पर चमकेगा विजय नगर का जय भीम पार्क

गाजियाबाद के पार्क का 1 करोड़ रुपये से होगा विकास, बनेगा आकर्षण का केंद्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विधायक संजीव शर्मा द्वारा शहर के विकास का अभियान निरंतर जारी है। विकास की इस कडी में कृष्णा नगर बागू विजयनगर में स्थित जय भीम पार्क का विकास कार्य एक करोड़ रुपए से कराया जाएगा। पार्क का विकास उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा कराया जाएगा। इसकी जानकारी खुद उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने विधायक संजीव शर्मा को दी। विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार ने बताया कि उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने विधायक संजीव शर्मा को लिखे पत्र में बताया है कि पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु कृष्णा नगर बागू वियजयनगर के पार्क संख्या 1 जय भीम पार्क को शामिल किया है।

विधायक संजीव शर्मा के अनुसार जय भीम पार्क का पर्यटन विकास जल्द ही शुरू हो जाएगा अरौर जय भीम पार्क का विकास ऐसा होगा कि शहर नहीं आसपास के लोगों के लिए भी यह आकर्षण का केंद्र होगा।

उत्तर प्रदेश उद्यमी विकास संघ का स्थापना दिवस आज

मंत्री असीम अरुण होंगे मुख्य अतिथि सांसद अतुल गर्ग करेंगे अध्यक्षता

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश उद्यमी विकास संघ का स्थापना दिवस एवं उद्यमी सम्मान समारोह मंगलवार, 26 अगस्त को होटल फॉर्च्यून, सेक्टर-23, राजनगर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2:30 बजे होगा। इस अवसर पर असीम अरुण (राज्य मंत्री, समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश सरकार) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गाज़ियाबाद के सांसद अतुल गर्ग करेंगे। समारोह में कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे, जिनमें विधायक संजीव शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त रविकांत गौड़, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार, जीडीए के उपाध्यक्ष अतुल वत्स, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोयल शामिल हैं। उत्तर प्रदेश उद्यमी विकास संघ के अध्यक्ष उपेंद्र गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में उद्योग जगत के अहम मुद्दों पर चर्चा होगी और उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने सभी उद्यमियों और समाजसेवियों से समारोह में शामिल होने का आह्वान किया है।

प्रभारी मंत्री असीम अरुण आज करेंगे औद्योगिक इकाइयों का दौरा

करंट क्राइम। जिले के प्रभारी मंत्री और राज्य मंत्री असीम अरुण 26 अगस्त को गाज़ियाबाद के दौरे पर रहेंगे। उनके आगमन पर कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। प्रभारी मंत्री का कार्यक्रम सुबह 11:30 बजे डाबर औद्योगिक इकाई के भ्रमण से शुरू होगा। इसके बाद 12:00 बजे साहिबाबाद औद्योगिक एसोसिएशन कार्यालय अथवा डाबर कॉन्फ्रेंस हॉल में उद्यमियों के साथ संवाद होगा।

दोपहर 1:15 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक निर्धारित है।

इसके बाद शाम 3:00 बजे मंत्री होटल फॉर्च्यून में आयोजित उत्तर प्रदेश उद्यमी विकास संघ स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रमों के उपरांत 4:30 बजे वे होटल फॉर्च्यून से दिल्ली एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। जिले के अधिकारियों ने प्रभारी मंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं।

इंदिरापुरम श्मशान घाट में 45 दिन से बिजली गायब मोबाइल की रोशनी में हो रहा अंतिम संस्कार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र स्थित शक्ति खंड-4 श्मशान घाट की हालत बेहद शर्मनाक और दयनीय हो चुकी है। यहां पिछले 45 दिनों से बिजली गुल है, जिससे शवदाह संस्कार के दौरान परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि अंधेरा होते ही परिजनों को मोबाइल की फ्लैशलाइट के सहारे अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इसकी शिकायत स्थानीय पार्षद और नगर निगम से की गई लेकिन यहां की जरूरतों को पूरा करने में कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

बिजली आपूर्ति ठप होने का असर सिर्फ रोशनी पर नहीं पड़ा है, बल्कि पानी की व्यवस्था भी पूरी तरह बाधित हो चुकी है। श्मशान घाट में लगे पानी के मोटर बंद पड़े हैं, जिससे शवों को धोने और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए पानी तक उपलब्ध नहीं है। स्थानीय लोगों और मृतकों के परिजनों ने बताया कि उन्होंने कई बार गाजियाबाद नगर निगम और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ कुर्सी बचाने और अपने लाभ में लगे हैं, आम जनता की समस्याओं से किसी को कोई सरोकार नहीं है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली बहाल नहीं की गई और श्मशान घाट में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं, तो वे सामूहिक रूप से विरोध प्रदर्शन करेंगे। उनका कहना है कि यह न सिर्फ अव्यवस्था है, बल्कि अंतिम संस्कार जैसे गंभीर कार्य का भी अपमान है।

जंतर-मंतर पर आयोजित किसान महापंचायत में शामिल हुए गाजियाबाद से बड़ी संख्या में किसान

नई दिल्ली/ गाजियाबाद, करंट क्राइम। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले सोमवार को जंतर मंतर पर किसान महापंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से हजारों किसान शामिल हुए। इस महापंचायत में गाजियाबाद से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।

किसान महापंचायत से पहले देर रात को भारत सरकार के कृषि मंत्रालय की तरफ से एक चिट्ठी संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) को भेजी गई जिसमें अति शीघ्र किसानों के प्रतिनिधिमंडल से मीटिंग करने के लिए तिथि तय करने की बात कही गयी। इसके बाद भी किसानों ने महापंचायत करने का फैसला किया। भारी बारिश के बावजूद जंतर-मंतर पर संख्या में किसान शामिल हुए। गाजियाबाद से गए किसान नेता राजवीर सिंह ने बताया कि अलग-अलग जगहों पर पुलिस द्वारा चेकिंग के बहाने किसानों को रोकने का प्रयास किया गया, चेकिंग की वजह से सड़कों पर लंबे जाम लग गए जिस वजह से बड़ी संख्या में किसान जाम में फंसे रहे और पंचायत स्थल तक नहीं पहुंच पाए लेकिन उसके बावजूद हजारों किसान महापंचायत में पहुंचे। आज की किसान महापंचायत में मुख्य तौर पर जगजीत सिंह डल्लेवाल, पी. आर. पांड्यन, अनिल तालान, राजवीर सिंह, बलदेव सिंह सिरसा, सतनाम सिंह बेहरु, काका सिंह कोटड़ा, अभिमन्यु कोहाड़, जरनैल सिंह, गुरदास सिंह, जगमीत सिंह बराड़, मनिंदर सिंह मान, सुरेश पाटिल, लीलाधर सिंह राजपूत, इंदरजीत सिंह पन्नीवाला, जयवीर यादव, नितिन बालियान, मनप्रीत सिंह बाथ, सुखपाल डफर, रघुवीर पंघाला, जितेंद्र शर्मा, सोनवीर सिंह, ए. एस. बाबू आदि मौजूद रहे।

राजवीर सिंह ने बताया कि महापंचायत के बाद कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम एक ज्ञापन दिया गया जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी कानून समेत खेती-किसानी के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया। उन्होंने कहा कि ज्ञापन में भारत-अमेरिका के मध्य प्रस्तावित व्यापार समझौते से खेती, डेयरी, पोल्ट्री एवम मछली पालन सेक्टरों को बाहर रखने की मांग की गई साथ ही किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज किए गए झूठे मुकदमे रद्द किये जायें।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।